NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
लखनऊ से प्रकाशित
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 198 लखनऊ, शुक्रवार 01 मार्च 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी का बिहार दौरा इस बार हुआ पक्का, नीतीश भी रहेंगे साथ, देंगे करोड़ों की सौगात, झारखंड–बंगाल भी जाएंगे

एजेंसी।

नई दिल्ली पीएम जिन प्रमुख परियोजनाओं का अनावरण करेंगे उनमें 7,042 करोड़ रुपये का बेगुसराय में भ्न्त्स् उर्वरक संयंत्र, 4,742 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं और 11,400 करोड़ रुपये की बरौनी रिफाइनरी विस्तार की आध ारशिला रखना शामिल है। नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद बिहार की अपनी पहली यात्रा में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के लिए लगभग 27,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे और श्समृद्ध बिहारश के लिए अपने दृष्टिकोण का खुलासा करेंगे। कुमार और मोदी 2 मार्च को बेगुसराय में इस समारोह में मंच भी साझा करेंगे, जो केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह का निर्वाचन क्षेत्र है। पीएम जिन प्रमुख

परियोजनाओं का अनावरण करेंगे उनमें 7,042 करोड़ रुपये का बेगुसराय में भ्न्त्स् उर्वरक संयंत्र, 4,742 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं और 11,400 करोड़ रुपये की बरौनी रिफाइनरी विस्तार की आध ारशिला रखना शामिल है। इसके पहले प्रधानमंत्री का बिहार दौरा दो बार टाला जा चुका है। औरंगाबाद में प्रधानमंत्री 21,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री 18,100 करोड़ रुपये से अधिक की कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री गंगा नदी पर छह लेन पुल की आधारशिला भी रखेंगे जिसे पटना रिंग रोड के एक हिस्से के रूप में विकसित किया जाएगा। यह पुल देश के सबसे लंबे नदी पुलों में से एक होगा। यह परियोजना पटना शहर में यातायात की भीड़ को कम करेगी और बिहार के उत्तर और दक्षिण हिस्सों के बीच तेज और बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जिससे पूरे क्षेत्र के सामाजिक–आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री बिहार में नमामि गंगे के तहत लगभग 2,190 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की गई बारह परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। परियोजनाओं में सैदपुर और पहाड़ी में सीवेज उपचार संयंत्र शामिल हैं प्रधानमंत्री पटना में यूनिटी मॉल का शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री बिहार में तीन रेलवे परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे जिनमें पाटलिपुत्र से पहलेजा रेलवे लाइन के दोहरीकरण की परियोजना भी शामिल हैय बंधुआ–पैमार के बीच 26 किमी लंबी नई रेल लाइनय और गया में एक मेमू शेड। प्रधानमंत्री आरा बाई पास रेल लाइन का भी शिलान्यास करेंगे. रेल परियोजनाओं से बेहतर रेल कनेक्टिविटी होगी, लाइन क्षमता और ट्रेनों की गतिशीलता में सुधार होगा और क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। बेगुसराय में सार्वजनिक समारोह से देश में ऊर्जा क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा क्योंकि प्रधान मंत्री लगभग 1.48 लाख करोड़ रुपये की कई तेल और गैस परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित और आधारशिला रखेंगे। ये परियोजनाएँ केजी बेसिन के साथ–साथ देश भर के विभिन्न राज्यों जैसे बिहार, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक में फैली हुई हैं। प्रधान मंत्री केजी बेसिन से श्पहला तेलश राष्ट्र को समर्पित करेंगे और ओएनजीसी कृष्णा गोदावरी गहरे पानी परियोजना से पहले कच्चे तेल टैंकर को हरी झंडी दिखाएंगे।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का किया अवलोकन

संवाददाता

लखनऊ सीएम योगी ने बताया कि श्भारत टेक्स 2024श में उत्तर प्रदेश के 20 एग्जिबिटर्स यशोभूमि में और 46 एग्जिबिटर्स भारत मंडप में अपने हुनर की प्रदर्शनी के साथ शामिल हुए हैं। यहां हस्तशिल्प, कालीन और अन्य हथकरघा उत्पादों को कारीगरों ने देश–दुनिया के बायर्स के सामने प्रस्तुत किया है। नई दिल्ली। टेक्सटाइल सेक्टर में हमारे हुनर, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी का इंतजार दुनिया का बाजार कर रहा है। भारत से 17 हजार करोड़ का कार्पेट एक्सपोर्ट होता है, जिसमें से 60 प्रतिशत कार्पेट यूपी के भदोही, मीरजापुर और वाराणसी से भेजा जाता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को प्रगति मैदान में आयोजित श्भारत टेक्स 2024श के चौथे दिन मीडिया से बातचीत

के दौरान कही। वहीं प्रगति मैदान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देखते ही लोगों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम का नारा लगाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी ने श्भारत टेक्स 2024श के यूपी पॉवेलियन में आए सभी बायर्स और विजिटर्स का अभिनंदन किया। उन्होंने प्रध ानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण इवेंट में यूपी को पार्टनर स्टेट के रूप में भागीदार होने का अवसर दिया गया है। सीएम ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में भारत मंडपम और यशोभूमि में इस इंटरनेशनल इवेंट के जरिए टेक्सटाइल के क्षेत्र में अतीत, भविष्य और वर्तमान की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रदर्शनी आयोजित की गई है। यह प्रधानमंत्री मोदी की सराहनीय पहल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पिछले 4 दिन से आयोजित इस प्रदर्शनी में देश और दुनिया से ढेर सारे लोगों ने सहभागिता की है। उन्होंने कहा कि भारत में एग्रीकल्चर

धामी ने जोड़ा जनजातीय बिकास में नया आयाम, तरुण विजय विलुप्त प्राय जनजातीय धारा के अभिलेखीकरण में जुटे

एजेंसी।

पिथौरागढ़ क्षेत्र में वन राजी, थारु और अत्यंत अल्प ज्ञात कुतलिया बोरा समाज की परंपराओं तथा मान्यताओं का अभिलेखीकरण व ध्वन्यांकन हेतु आए पूर्व सांसद तरुण विजय ने कहा कि पुष्कर धामी सरकार ने अत्यंत पिछड़े जनजातीय समाज हेतु विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। देहरादून– चम्पावत पिथौरागढ़ क्षेत्र में वन राजी, थारु और अत्यंत अल्प ज्ञात कुतलिया बोरा समाज की परंपराओं तथा मान्यताओं का अभिलेखीकरण व ध्वन्यांकन हेतु आए पूर्व सांसद तरुण विजय ने

कहा कि पुष्कर धामी सरकार ने अत्यंत पिछड़े जनजातीय समाज हेतु विकास के नये आयाम स्थापित किए हैं। आज तक किसी शासन में सुदूर क्षेत्रस्थ जनजातीय समाज के सांस्कृतिक अभिलेखीकरण और डिजिटलाइजेशन का कार्य नहीं हुआ। पर धामीशासन में यह कार्य प्रारंभ हुआ है जो राष्ट्रीय सांस्कृतिक फलक की सुरक्षा हेतु देश में विशिष्ट है। जैसे प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय का बजट ७० प्रतिशत बढ़ाया उसी तर्ज पर धामी सरकार का भी जनजातीय कल्याण बजट बढ़ाया गया है। विद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विज्ञान से साक्षात्कार विज्ञान और प्रोद्योगिकी परिषद के द्वारा सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों में बालक बालिकाओं के मध्य विज्ञान मेले पहले कभी सुने नहीं जाते थे, पर अब असामान्य गति से बढ़ रहे हैं। वन राजी, थारु बुक्सा देश के सर्वाधिक चुनौती ग्रस्त बिलुप्तप्रायसमाज हैं। इनकी वन राजी भाषा की संरक्षा और लिपिकरण हेतु उत्तराखण्ड विज्ञान व तकनीकी परिषद के महानिदेशक डॉ दुर्गेश पंत तथा केंद्र सरकार में विज्ञान व प्रोद्योगिकी मंत्रालय के साथ तरुण विजय कार्य कर रहे हैं। इसी हेतु वे ज्योल जीवी पिथौरागढ़ के ग्राम्य प्रवास पर है। डॉ दुर्गेश पंत ने इस दिशा में नवीन पहल का कीर्तिमान भी बनाया है।

कांग्रेस ने हिमाचल संकट को किया खत्म!

एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि सीएम, पीसीसी, डिप्टी सीएम और तीन सदस्यों की 6 सदस्यीय समन्वय समिति बनाई जाएगी। इन तीन सदस्यों के नामों की घोषणा बाद में की जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के बाद हर कोई सोचने लगा कि हिमाचल प्रदेश सरकार टूट रही है। राजनीतिक उथल–पुथल के बीच हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के पर्यवेक्षकों में से एक के रूप में भेजे गए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि हिमाचल के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने स्वीकार किया है कि राज्यसभा चुनाव के दौरान सरकार और विधायकों के भीतर कुछ प्रकार की विफलता हुई है और स्थिति से निपटने के लिए पार्टी और सरकार के बीच पांच से छह सदस्यों वाली एक समन्वय समिति बनाई गई है। डीके शिवकुमार ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस की सरकार है और सुक्खू सीएम हैं। सभी विधायक चाहते हैं 5 साल के लिए कांग्रेस सरकार चले। यहां कोई ऑपरेशन लोटस नहीं है। डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारे सीएम ने स्वीकार किया कि कुछ विफलता हुई है। लेकिन यह आगे जारी नहीं रहेगा। हमने सभी विधायकों से व्यक्तिगत तौर पर बात की है। हमने पीसीसी अध्यक्ष, सीएम से बात की है। एक दौर की चर्चा बाद में होगी इसलिए उन सभी ने अपने सभी मतभेद सुलझा लिए हैं।श उन्होंने कहा कि वे मिलकर काम करेंगे... हम पार्टी और सरकार के बीच पांच से छह सदस्यों की एक समन्वय समिति बना रहे हैं... वे सभी पार्टी को बचाने और सरकार को बचाने के लिए मिलकर काम करेंगे। भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि सीएम, पीसीसी, डिप्टी सीएम और तीन सदस्यों की 6 सदस्यीय समन्वय समिति बनाई जाएगी। इन तीन सदस्यों के नामों की घोषणा बाद में की जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के बाद हर कोई सोचने लगा कि हिमाचल प्रदेश सरकार टूट रही है। मुझे यह भी खबर मिली कि राज्य के सीएम ने इस्तीफा दे दिया है,

अमेठी में फिर राहुल गांधी भरेंगे दम, रायबरेली से डेब्यू की तैयारी में प्रियंका गांधी

संवाददता।

अमेठी कांग्रेस का एक और गढ़ माना जाने वाला रायबरेली, जहां से सोनिया गांधी 2004 से सांसद हैं, उनके राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी और प्रियंका गांधी वाद्रा रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक अगर पार्टी लोकसभा चुनाव के लिए उनके नाम की घोषणा करती है तो यह प्रियंका गांधी के लिए चुनावी शुरुआत हो सकती है। 2019 में राहुल गांधी को कांग्रेस के पारंपरिक गढ़ अमेठी में तत्कालीन बीजेपी उम्मीदवार स्मृति ईरानी के सामने हार का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस का एक और गढ़ माना जाने वाला रायबरेली, जहां से सोनिया गांधी 2004 से सांसद हैं, उनके राजस्थान से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया था कि उनके परिवार का कोई अन्य सदस्य लोकसभा सीट पर उनकी जगह ले सकता है। सोनिया गांधी ने अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों को एक पत्र में लिखा था कि इस फैसले के बाद मुझे सीधे तौर पर आपकी सेवा करने का अवसर नहीं मिलेगा लेकिन मेरा दिल और आत्मा हमेशा आपके साथ रहेंगे। मैं जानती हूं कि आप भविष्य में भी मेरे और मेरे परिवार के साथ वैसे ही खड़े रहेंगे, जैसे अतीत में खड़े थे। अगर राहुल गांधी को एक बार फिर केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद स्मृति ईरानी के खिलाफ अमेठी से मैदान में उतारा जाता है तो अमेठी में एक और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। 2019 के आम चुनाव में ईरानी ने राहुल को उनके गढ़ में 55,120 वोटों से हराया था।

हालाँकि, राहुल गांधी ने चुनाव में वायनाड निर्वाचन क्षेत्र जीतकर लोकसभा में प्रवेश किया। ईरानी 2014 के चुनावों में राहुल से हार गई थीं, हालांकि, उन्होंने अगले पांच वर्षों में जमीन पर अपनी लोकप्रियता हासिल की और अपनी ऐतिहासिक जीत से कांग्रेस को झटका दिया। हालांकि, भाजपा ने अभी अमेठी और रायबरेली से भाजपा ने किसी उम्मीदवार को घोषित नहीं किया। हालांकि, अमेठी से स्मृति ईरानी के फिर से उतरने की संभावना है। इसके अलावा रायबरेली से मनोज पांडे का नाम चर्चा में जिन्होंने हाल में ही सपा छोड़ राज्यसभा चुनाव में भाजपा के साथ खड़ा होना सही समझा। तक 2019 में चुनाव आयोग द्वारा अंतिम परिणाम घोषित होने से पहले ही, राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी में एक संवाददाता सम्मेलन में अमेठी से हार स्वीकार कर ली थी। लोकसभा क्षेत्र एक और लड़ाई के लिए तैयार है, यह देखते हुए कि दोनों नेता एक बार फिर एक–दूसरे के खिलाफ हैं। इस साल अप्रैल–मई में आम चुनाव होने हैं।

सीबीआई के सामने पेश क्यों नहीं हुए अखिलेश यादव, खुद दिया जवाब, बोले- घबराई हुई है भाजपा

संवाददाता।

लखनऊ सपा प्रमुख ने एक वकील के माध्यम से सीबीआई को जवाब भेजकर आगामी संसदीय चुनावों की तैयारियों के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने में असमर्थता जताई, लेकिन जांच में जांच एजेंसी को सभी मदद और समन्वय का आश्वासन दिया। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को पांच साल पुराने अवैध खनन मामले में गवाह के रूप में पूछताछ के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी भाजपा की एक इकाई के रूप में काम करती है। सपा प्रमुख ने एक वकील के माध्यम से सीबीआई को जवाब भेजकर आगामी संसदीय चुनावों की तैयारियों के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने में असमर्थता जताई, लेकिन जांच में जांच एजेंसी को सभी मदद और समन्वय का आश्वासन दिया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का कहना है, श्श्मैंने सीबीआई को जवाब दे दिया है।श्श उन्होंने कहा कि बीजेपी कमजोर है। एक ऐसी सरकार जिसने वादा किया था कि वे 60 लाख छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करके एक रिकॉर्ड स्थापित करेंगे और सभी को अच्छी नौकरियां प्रदान करेंगे। उन्होंने यह भी वादा किया कि पुलिस भर्ती परीक्षा निष्पक्ष रूप से आयोजित की जाएगी, आज हम पेपर लीक के मामले देख रहे हैं। भाजपा की मंशा हमारे युवाओं को रोजगार देने की नहीं है। पार्टी कमजोर हो रही है। वे बहुत घबराए हुए हैं। मैं यह कह रहा हूं श्यूपी देखिये आये थे, यूपी देखिये ही जायेंगे बाहर। रेत खनन मामले में गवाह के तौर पर अखिलेश यादव को सीबीआई द्वारा बुलाए जाने पर समाजवादी पार्टी नेता डिंपल यादव ने कहा कि मैं मैनपुरी क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा तैयार हूं।

नगर पालिका परिषद अस्पताल टांडा मे जल्द अत्याधुनिक स्वास्थ्य उपकरणों से होगा इलाज

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा शीघ्र ही सीएसआर फंड जल्द ही

टांडा रामपुररू नगर पालिका परिषद अस्पताल टांडा को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा शीघ्र ही सीएसआर फंड से मिलने वाले अत्याधुनिक स्वास्थ्य उपकरण जैसे अल्ट्रासाउंड मशीन , एक्सरे मशीन ,एटीएम हेल्थ मशीन और एम्बुलेंस आदि की सूचना से टांडा वासियों में जबर्दस्त खुशी का माहौल है । यहां के नागरिकों का कहना है कि अस्पताल में सवास्थ्य उपकरण लगने से स्वास्थ्य सुविधाए बेहतर होगी और मरीजों को उचित समय पर मुकम्मल ईलाज मिल सकेगा और दर दर की ठोकरें खाने से निजात मिल सकेगी।अस्पताल को सीएसआर फंड से मिलने वाले स्वास्थ्य उपकारण को लेकर नगर पालिका परिषद टांडा के अध यक्षपति हाजी सरफराज आलम भी खुशी जाहिर की और उन्होनें पत्र लिखकर इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन से सीएसआर फंड दिए जाने का आग्रह किया।उन्होंने यह भी कहा कि इससे क्षेत्र की जनता को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं से बहुत अधिक लाभ मिलेगा। और मरीजों को तुरंत इलाज होने में मदद मिलेगी। स्वार क्षेत्र के विधायक शफीक अहमद अंसारी ने भी अस्पताल को सीएसआर फंड से मिलने वाले उपकरण के लिए जोरदार वकालत की। अस्पताल द्वारा मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मिलने वाले निःशुल्क इलाज और दवाईयों से बिधायक जी बहुत अधिक प्रभावित है। भविष्य में टांडा की जनता को और बेहतर इलाज हो सके इसके लिए विधायक जी ने भी पत्र लिखकर इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन से सीएसआर फंड देने का आग्रह किया।

रामपुर सांसद श्री घनश्याम सिंह लोधी ने भी इंडियन आयल कॉर्पोरेशन से मिलने वाले सीएसआर फंड के लिए अपना पूर्ण समर्थन दिया है।और इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन को पत्र लिख कर सीएसआर फंड से मिलने वाले स्वास्थ्य उपकरण, एम्बुलेंस आदि के लिए माननीय सांसद द्वारा भी पैरवी की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि एक्सरे मशीन,अल्ट्रासाउंड मशीन और एटीएम हेल्थ मशीन मिलने से टांडा की जनता के लिए सावस्थ्य के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ेगा।

सीएसआर फंड के मामले में नगर पालिका परिषद टांडा,रामपुर के अधिशाषी अधिकारी श्री पुनीत कुमार से हमारे संवाददाता के संपर्क करने पर उन्होनें बताया कि अस्पताल द्वारा पिछले तीन वर्षो से अधिक समय से मरोजो की सेवाए निर्बाध रूप से दी जा रही है। टांडा वासियों को और बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके इसके लिए इंडियन आयल कॉर्पोरेशन को सीएसआर फंड के माध्यम से स्वास्थ्य उपकरण उपल्ब्ध कराएं जाने का आग्रह पत्र बहुत पहले ही भेज दिया है । उन्होंने यह भी कहा की अस्पताल प्रशासन की ओर से क्षेत्र की जनता के स्वास्थ्य से जुड़े हुए जो भी प्रस्ताव लाया जायेगा,उसका पूरा समर्थन रहेगा।सीएमओ रामपुर ने भी माना कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा सीएसआर फंड से स्वास्थ्य उपकरण दिए जाने से टांडा की जनता को बहुत ज्यादा लाभ मिलेगा, अभी तक टांडा में ऐसा कोई हॉस्पिटल नहीं है जो मरीज को आकस्मिक सुविधाए दे सके सीएमओ ने भी सीएसआर फंड दिए जाने हेतु इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन को आग्रह पत्र भेज दिया है। डीएम रामपुर द्वारा अधिषासी अधिकारी और सीएमओ के प्रस्ताव से सहमति जताते हुए इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को सीएसआर फंड हेतु आग्रह पत्र भेज दिया है और डीएम महोदय ने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद अस्पताल को सीएसआर फंड से मिलने वाले स्वास्थ उपकरण एवम एम्बुलेंस से क्षेत्र की जनता को जबरदस्त स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।सूत्रों की माने तो इस संबंध में नगर पालिका परिषद अस्पताल के डायरेक्टर श्री शील कुमार शुक्ला के साथ इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों से कई दौर की बात भी हो चुकी है। अब इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन कभी भी अस्पताल के पक्ष में सीएसआर फंड जारी कर सकता है।वर्तमान में अस्पताल मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निरूशुल्क उपचार और निरूशुल्क दवाइयां दी जाती है । मरीजों को सिर्फ पांच रूपये शुल्क में ओपीडी पर्चे बनाए जाते है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 01 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

पर्यटन मंत्री के निर्देश पर प्रमुख सचिव पर्यटन ने विभाग की लंबित 47 परियोजनाओं की समीक्षा की

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के निर्देश पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने पर्यटन विभाग की लंबित 47 परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मंत्री ने निर्देश दिये हैं कि विभाग की लंबित परियोजनाओं को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि फील्ड में तैनात अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों की निर्माण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में घटिया या अधोमानक सामग्री का उपयोग पाये जाने पर संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि परियोजनाओं में गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जायेगा। प्रमुख सचिव ने आज पर्यटन भवन में लंबित योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से परियोजनाओं के प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित कार्यदायी संस्था एवं अधिकारियों को परियोजनाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने समीक्षा के दौरान 47 योजनाओं के प्रगति की जानकारी प्राप्त की। इसमें यूपीपीसीएल के 20, यूपीसीएलडीएफ के 05, सीएंडडीएस तथा वन विभाग के 02–02 एवं अन्य संस्थाओं की 01–01 योजनाओं तथा पर्यटन विकास निगम की 16 परियोजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की।

प्रमुख सचिव ने कहा कि सभी योजनाओं को समय पर पूर्ण करने के साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें। किसी भी कीमत पर इसमें लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं उनका उपयोगिता प्रमाण पत्र और कार्य पूर्ण प्रमाण पत्र शीघ्र दें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन्हें प्रथम किश्त जारी की जा चुकी है, दूसरी किश्त के लिए उपयोगिता प्रमाण पत्र दें। इसके अलावा जिन्हें दूसरी किश्त जारी की जा चुकी है वह शीघ्र उसका उपभोग प्रमाण पत्र और क्लोजर रिपोर्ट आदि दें। मेश्राम ने कहा कि जो योजनाएं हाल में स्वीकृत हुई हैं। अतिशीघ्र उनका कार्य प्रारंभ करा द

`, जिससे उसे समय पर पूरा किया जा सके। समीक्षा बैठक के दौरान उपनिदेशक पर्यटन वीरेश कुमार, उपनिदेशक पर्यटन कल्याण सिंह के साथ ही अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में संबंधित जिलों के अधिकारीगण वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

315.26 करोड़ रुपये की 1786 परियोजनाओं का लोकार्पण, 338.81 करोड़ रुपये की 1715 परियोजनाओं का शिलान्यास

कान्हा गौशाला योजना अंतर्गत 34.80 करोड़ रुपये की 31 परियोजनाओं का शिलान्यास

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए०के० शर्मा ने मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत 654.07 करोड़ रुपये लागत की 3501 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया तथा कान्हा गौशाला योजना के अंतर्गत 34.80 करोड़ रुपये की 31 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। योजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के द्वितीय चरण में 41 जिलों की 170 निकायों में 05 नगर निगम, 31 नगर पालिका परिषद, 134 नगर पंचायतों के लिए 338.81 करोड़ रुपये की 1715 परियोजनाओं का शिलान्यास तथा 166 निकायों में 05 नगर निगम, 29 नगर पालिका परिषद, 132 नगर पंचायतों में 315.26 करोड़ रुपये लागत की 1786 परियोजनाओं का लोकार्पण कर जनता को समर्पित की गई। इसी प्रकार 22 जनपद की 31 निकायों में 02 नगर निगम, 05 नगर पालिका परिषद, 24 नगर पंचायतों में 34.80 करोड़ रुपये लागत की 31 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इस मौके पर उन्होंने अलीगढ़, प्रयागराज के महापौर तथा अन्य निकायों के चेयरमैन, अध्यक्ष व अधिकारियों से वर्चुअल संवाद कर विकास कार्यों के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी।

नगर विकास मंत्री ए०के० शर्मा ने गुरूवार को जल निगम फील्ड हास्टल ''संगम'' में नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर 'गुरु', की उपस्थिति में 41 जिलों की 170 निकायों में 05 नगर निगमों, 31 नगर पालिका परिषदों, 134 नगर पंचायतों में विकास कार्यों का लोगार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजनान्तर्गत 10 नगर निगमों का सीमा विस्तार 04 नगर पालिका परिषदों का उच्चीकरण, 42 नगर पालिका परिषदों एवं 72 नगर पंचायतों का सीमा विस्तार तथा 112 नयी नगर पंचायतों का गठन किया गया। योजनान्तर्गत मार्ग निर्माण, जल निकासी हेतु नाला–नाली का निर्माण, सड़कों का निर्माण, स्ट्रीट लाइट, सामुदायिक केन्द्रों, कल्याण मण्डप, कार्यालय भवन, स्कूल व ऑगनबाड़ी केन्द्रों, प्रमुख चौराहों, पार्कों व उद्यानों का विकास एवं सौन्दर्यीकरण, मुख्य व्यापारिक क्षेत्रों का सौन्दर्यीकरण आदि कार्य कराये जा रहे।

नगर विकास मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023–24 में स्वीकृत किये गये 338.81 करोड़ रुपये की लागत से 1715 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसमें में 235.22 करोड़ रुपये की सड़क, नाली, फुटपाथ की 1219 परियोजनाएं, 42.63 करोड़ रुपये की जल निकासी की 191 परियोजनाएं, 19.82 करोड़ रुपये की विद्यालय मरम्मत व ऑगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण की 149 परियोजनाएं, 4.68 करोड़ रुपये की मुख्य व्यापारिक क्षेत्र के सौन्दर्यीकरण की 13 परियोजनाएं, 11.74 करोड़ रुपये की पार्क व हरित क्षेत्र की 44 परियोजनाएं, 6.68 करोड़ रुपये की मुख्य चौराहों का सौन्दर्यीकरण की 33 परियोजनाएं, 10.73 करोड़ रुपये की स्ट्रीट लाइट की 42, 3.95 करोड़ रुपये की लाभार्थीपरक सेवाओं की 09 परियोजनाएं शामिल हैं। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नगर सृजन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022–23 में स्वीकृत कार्यों का लाकार्पण किया गया, इसमें से 233.77 करोड़ रुपये की सड़क, नाली व फुटपाथ की 1390 परियोजनाएं, 24.39 करोड़ रुपये की जल निकासी की 71 परियोजनाएं, 14.20 करोड़ रुपये की पार्क व हरित क्षेत्र की 51 परियोजनाएं, 20.68 करोड़ रुपये की विद्यालय मरम्मत व ऑगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण की 175 परियोजनाएं, 1.43 करोड़ रुपये की पेयजल की 09 परियोजनाएं, 10.06 करोड़ रुपये की मुख्य व्यापारिक क्षेत्र के सौन्दर्यीकरण कार्य की 29 परियोजनाएं, 3.35 करोड़ रुपये से मुख्य चौराहों के सौन्दर्यीकरण की 18 परियोजनाएं, 1.57 करोड़ रुपये की सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट व शौचालय की 13 परियोजनाएं, 5.61 करोड़ रुपये की स्ट्रीट लाइट की 31 परियोजनाएं जनता को समर्पित की गयीं।

सभी तहसीलों में एक–एक फायर स्टेशन हो रहे स्थापित – योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने अग्निसुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण हेतु 38 अग्निशमन केन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास तथा 35 अग्निशमन वाहनों का फ्लैग ऑफ किया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में अग्नि सुरक्षा कवच के सुदृढ़ीकरण हेतु 38 अग्निशमन केन्द्रों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। उन्होंने 35 अग्निशमन वाहनों का फ्लैग ऑफ भी किया। उन्हों ने अग्निशमन एवं जीवन रक्षा कार्य हेतु विशिष्ट उपकरणों का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि संकट के समय अग्निशमन सेवाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रदेश सरकार ने अग्निशमन से जुड़े कानूनों के व्यापक रिफॉर्म तथा इन सेवाओं के आधुनिकीकरण के लिए समयबद्ध तरीके से कार्य किया है। इसके परिणामस्वरूप अग्निशमन विभाग ने बेहतर इमरजेंसी सेवाएं प्रदान करने के लिए स्वयं को तैयार किया है। आज यहां 25 जनपदों के 34 अग्निशमन केन्द्रों का लोकार्पण, 04 नए अग्निशमन केन्द्रों का शिलान्यास तथा 35 फायर टेण्डर का फ्लैग ऑफ किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 1944 में अग्निशमन विभाग का गठन किया गया था। वर्ष 1944 से 2017 तक राज्य में कुल 288 फायर स्टेशन स्थापित हुए। विगत 07 वर्षों में हमारी सरकार ने 71 नये फायर स्टेशन स्थापित किए हैं। वर्ष 2017–18 से अब तक प्रदेश में अग्निशमन विभाग को अपनी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगभग 1400 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें नए फायर स्टेशन की स्थापना तथा हाईराइज बिल्डिंग सहित सामान्य परिस्थितियों में अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षा के लिए फायर टेण्डर क्रय करने के कार्य समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाए गए हैं। अग्निशमन विभाग में फायरमैन तथा अग्निशमन अधिकारियों की कमी को समय से पूरा किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अग्निशमन से जुड़ी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया का सरलीकरण किया गया है। इसके परिणामस्वरूप ईज ऑफ डूईंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश की रैंकिंग में सुधार हुआ है। आमजन की सुविधा के लिए प्रदेश की सभी तहसीलों में एक–एक फायर स्टेशन स्थापित करने की दिशा में हम तेजी से अग्रसर हो चुके हैं। अगले कुछ ही वर्षों में उत्तर प्रदेश देश का ऐसा राज्य होगा, जहां तहसील स्तर पर एक–एक फायर स्टेशन की स्थापना हो जाएगी। इस दिशा में आज का यह कार्यक्रम मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनधन की हानि को रोकना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमारा प्रयास हो कि फायर टेण्डर के रिस्पॉन्स टाइम को कम से कम करें। रिस्पॉन्स टाइम जितना कम होगा, उतना ही जनधन की हानि को रोकने में मदद मिलेगी। इससे आम जनमानस का विश्वास बढ़ेगा। इसके लिए प्रशिक्षण और उपकरण आवश्यक हैं। विगत कुछ समय से इस दिशा में किए गए प्रयासों से 33 हजार से अधिक अग्नि दुर्घटनाओं में 3,780 जनहानि को रोका गया। इसी दौरान 5,000 से अधिक पशु हानि को भी रोका गया। इससे डेढ़ अरब रुपये की सम्पत्ति को बचाने में सफलता प्राप्त हुई है। गर्मी का सीजन आ रहा है। ऐसे में खड़ी फसलों में आग लगने की सम्भावना होती है। उस समय फायर विभाग की आवश्यकता महसूस की जाती है। इन सभी कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए अग्निशमन विभाग को कार्य करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अग्निशमन तथा आपात सेवाओं के उच्चीकरण का कार्य किया है। प्रदेश में एस0डी0आर0एफ0 के गठन की कार्यवाही की गई है। राज्य में एस0डी0आर0एफ0 की 06 कम्पनियां कार्य कर रही हैं। इसके साथ ही, प्रदेश में स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स का गठन कर महत्वपूर्ण इमारतों और संस्थानों की सुरक्षा का दायित्व इसे दिया गया है। अग्निशमन विभाग को 67 फायर टेण्डर, 02 फोम टेण्डर, 3,000 फायर रेजिस्टेन्ट ओवरऑल डांगरी, 04 वॉटर मिस्ट कैफ मोटर साइकिल माउण्टेड सिस्टम, 15 जीप टोइंग व्हीकल्स, 02 वॉटर बाउजर तथा 01 वॉटर बाउजर के निर्माण हेतु चेसिस उपलब्ध कराए गए हैं। इन कार्यों से प्रदेशवासियों, यहां आने वाले निवेशकों और पर्यटकों में एक विश्वास अर्जित हुआ है। इस विश्वास को और मजबूत करने का कार्य हमें करना है। आने वाले एक से डेढ़ वर्षों में हमारा प्रयास हो कि हर तहसील फायर स्टेशन से आच्छादित हो जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बड़े–बड़े शहरों में हाईराइज बिल्डिंग की सुरक्षा के लिए हाइड्रोलिक अग्निशमन वाहनों की उपलब्धता के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाना चाहिए। इससे किसी भी दुर्घटना के समय जनधन की हानि को न्यूनतम करने में मदद मिलेगी। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कानूनों में व्यापक सुधार करने से निवेशकों का विश्वास मजबूत होता है।

आपदा से पहले की तैयारियों को पुख्ता करेगा राहत गुरुकुलम

योगी सरकार ने प्रदेश के पहले राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के प्रशिक्षण केंद्र का किया शुभारंभ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आपदाओं से निपटने के लिए अब एसडीआरएफ के साथ–साथ बड़ी संख्या में प्रशिक्षित वर्क फोर्स को तैयार किया जा सकेगा। इसके लिए योगी सरकार ने गुरुवार को प्रदेश के पहले राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के प्रशिक्षण केंद्र श्राहत गुरुकुलमश् का शुभारंभ कर दिया है। इस अत्याधुनिक केंद्र के माध्यम से एसडीआरएफ के साथ ही प्रदेशभर के आमजनमानस को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके जरिये प्रदेश में आपदा से निपटने के लिए प्रशिक्षित लोगों की पूरी फौज तैयार की जाएगी ताकि आपदा से होने वाली जनहानि और धनहानि को न्यूनतम किया जा सके। बता दें कि योगी सरकार प्रदेश में आपदाओं के कारण होने वाली जनहानि को न्यूनतम करने के लिए काफी संवेदनशील है। इसी के तहत योगी सरकार ने राहत विभाग को खुद का प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिये थे। आपदा से पहले की तैयारी, बचाव व जागरूकता पर होगा फोकस। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरुप गुरुवार को देवा रोड चिनहट स्थित मंडलीय राजस्व प्रशिक्षण केन्द्र में राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में 'राहत गुरुकुलम' का शुभारंभ किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने किया। प्रदेश में आपदाओं से होने वाली क्षति, राहत वितरण तथा उनकी मॉनिटरिंग राहत आयुक्त कार्यालय के राज्य इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर से ही की जाती है। आपदाओं के न्यूनीकरण के लिए विभिन्न विभागों, संस्थानों, अन्य स्टेकहोल्डर्स को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देने के लिए अभी तक विभाग का अपना कोई स्थायी प्रशिक्षण केंद्र नहीं था। सीएम योगी के निर्देश पर आत्याधुनिक प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में अब राहत गुरुकुलम का शुभारंभ किया गया है। इस प्रशिक्षण केंद्र में 1 कान्फ्रेंस रूम, 2 प्रशिक्षण कक्ष, 1 आडिटोरियम तथा 8 अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था है। इतना ही नहीं, केंद्र में आधुनिक उपकरणों से लैस कम्प्यूटर लैब की भी स्थापना की गई है। इसके जरिये आपदाओं से पहले की तैयारी, बचाव व जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि समय रहते आपदा के लिए तैयार किया जा सके और जनहानि को कम से कम किया जा सके।आपदा प्रबंधन की दिशा में सकारात्मक पहल कार्यक्रम में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन व न्यूनीकरण की दिशा में 'राहत गुरुकुलम' अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार ऋषि मुनि गुरुकुल में शिक्षा प्रदान करते थे, उसी तरह इस राहत गुरुकुलम के जरिये उसी पद्धति के अनुरूप आधुनिक तकनीकों से आमजनमानस को आपदाओं से सुरक्षित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अपर मुख्य सचिव, राजस्व सुधीर गर्ग ने कहा कि राहत आयुक्त कार्यालय व राजस्व विभाग द्वारा बेहतर आपदा प्रबंधन करते हुए आपदाओं के न्यूनीकरण की दिशा में सकारात्मक और ठोस पहल की जा रही है। कार्यक्रम में राहत आयुक्त जीएस नवीन, विशेष सचिव राजस्व राम केवल, राहत परियोजना निदेशक अदिति उमराव आदि उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग ने जीता प्रतिष्ठित स्काच आर्डर आफ मेरिट अवार्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रमुख सचिव नितिन रमेश गोकर्ण एवं आयुक्त मिनिस्ती एस. के कुशल निर्देशन में एक और उपलब्धि हासिल की है। विभाग द्वारा संचालित आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस बेस्ड रिटर्न स्क्रूटनी प्रोजेक्ट हेतु विभाग को प्रतिष्ठित स्काच आर्डर आफ मेरिट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। इस अवार्ड की घोषणा स्कॉच ग्रुप द्वारा आज 29 फरवरी को आयोजित वर्चुअल सेरेमनी के दौरान की गयी, जिसमें देशभर के विभिन्न प्रदेशों के विभागों द्वारा प्रतिभाग किया गया। यह अवार्ड मिनिस्ती एस., राज्य कर आयुक्त की ओर से रिया केजरीवाल, अपर आयुक्त राज्य कर द्वारा प्राप्त किया गया। यह जानकारी प्रदेश की राज्य कर आयुक्त मिनिस्ती एस. ने दी। उन्होंने बताया की उत्तर प्रदेश ऐसा पहला राज्य है जो रिटर्न स्कूटनी हेतु नवीनतम डाटा विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीक पर आधारित सिस्टम का प्रयोग कर रहा है। इस सिस्टम के प्रयोग से राज्य कर के अधिकारियों द्वारा विविध जी0एस0टी0 रिटों में पाई गयी समस्त अनियमितताओं को समेकित करते हुए केवल एक नोटिस व्यापारी को जारी की जाती है। उन्होंने बताया कि व्यापारी भी बार–बार नोटिस का जवाब देने की परेशानी से बच जाता। इस प्रकार से इस मॉडल से न केवल अधिकारियों, बल्कि व्यापारियों के लिए भी अत्यंत सुविधाजनक, पारदर्शी एवं समय व ऊर्जा बचाने वाला सिद्ध हो रहा है। आयुक्त ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2017–2018 एवं 2018–2019 के रिटर्नो की स्क्रूटनी इस सिस्टम द्वारा किये जाने से 31 जनवरी, 2024 तक सरकार के खजाने में रु 692.90 करोड़ का राजस्व जमा हो चुका है, इसमें एक बड़ी धनराशि वह भी है जो कि जानकारी के अभाव में, त्रुटि के कारण, व्यापारी द्वारा जमा नहीं हो पायी थी। भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा, जी0एस0टी0 कौंसिल की बैठक में इस सिस्टम की प्रशंसा की गयी तथा अन्य राज्यों को भी इसे लागू करने के लिए प्रेरित किया गया। इस सिस्टम की सफलता से प्रेरित होकर जी0एस0टी0एन0 के द्वारा भी आधारित नोटिस मॉड्यूल विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी राज्य कर विभाग को उसके दो प्रोजेक्ट्स मुख्यमंत्री व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना तथा लर्निंग मैनेजमेन्ट सिस्टम हेतु स्कॉच अवार्ड 2022 वित्त श्रेणी के अंतर्गत प्रदान किया गया था। इस प्रोजेक्ट्स के स्कॉच मूल्याकंन प्रकिया में सफल संचालन के कारण उत्तर प्रदेश सरकार को स्टार ऑफ गवर्नेस स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इस कार्य में अपर आयुक्त द्वितीय राज्य कर विवेक आर्या, अंजनी अग्रवाल, संयुक्त आयुक्त प्रकाश यादव, हरिलाल प्रजापति, रुही सक्सेना, डिप्टी कमिश्नर राजी गुप्ता, परितोष मिश्रा, अलका श्रीवास्तव, अर्चना यादव एवं असिस्टेन्ट कमिश्नर श्रुति गुप्ता द्वारा इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

अवसान माता पूजन उत्सव में पहुंचे सिक्किम के राज्यपाल, सशक्तीकरण पर दी जागरूकता

तेजगढ़ में छठवें पूजन महोत्सव में अवसान माता की महिमा का हुआ गुणगान

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। तेजगढ़ में गुरूवार को छठवें विशाल अवसान माता पूजन महोत्सव में सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने सशक्तीकरण के क्षेत्र में महिलाओं को जागरूकता प्रदान की। अवसान माता के पूजन उत्सव का शुभारंभ सिक्किम राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने अवसान माता के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में मौजूद महिलाओं ने भी अवसान माता के पूजन अर्चन के साथ देवी के जयघोष लगाये। राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने कहा कि भारत देश सदैव देवियों के पूजन अर्चन व उनकी शक्ति को नमन करता आ रहा है। उन्होने कहा कि महिलाएं भारतीय संस्कृति को मजबूत बनाये रखने में अपने चरित्र बल से समाज का सशक्त नेतृत्व किया करती हैं। उन्होंने महिला सशक्तीकरण से जुडे सरकार के कई कल्याणकारी कार्यक्रमों को भी अप्रतिम ठहराया। वहीं कार्यक्रम में अवसान माता को मत्था टेकने के बाद महिलाओं ने अपने आंचल में प्रसाद भी भरा। समारोह में अवसान माता की वरदानी महिमा का भी जमकर गुणगान हुआ। समारोह में जिले के सांसद संगम लाल गुप्ता ने भी महिलाओं के समाज में बराबरी के योगदान की सराहना की। विशिष्ट अतिथि सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य व प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष राज्यसभा सदस्य गीता शाक्या रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव व संचालन साहित्यकार अनूप अनुपम ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका एवं भाजपा महिला मोर्चा काशी क्षेत्र की कोषाध्यक्ष प्रतिभा सिंह तथा आयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेन्द्र सिंह ने सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को नागरिकों की ओर से सारस्वत सम्मान सौंपा। इस मौके पर भाजपा नेता राजा अनिल प्रताप सिंह, कुलवंत सिंह, नागेश प्रताप सिंह, केके सिंह आदि रहे। इसके पूर्व तेजगढ़ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को पुलिस प्रशासन द्वारा गॉड आफ आनर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति देख राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य व आयोजन से जुडे लोगों को गदगद देखा गया। वहीं सिक्किम के राज्यपाल के आगमन को लेकर कार्यक्रम स्थल पर कडे सुरक्षा प्रबन्ध भी नजर आये।

पर्यटन विभाग द्वारा थाईलैण्ड के बुद्धभूमि कार्यक्रम में लगाये गये पवेलियन पर बौद्ध अनुयायियों की भारी भीड़

लखनऊ। थाईलैंड में भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन पर चल रहे बुद्धभूमि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आगंतुक उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के पैवेलियन स्थित टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर के स्टाल पर प्रदेश के बुद्ध सर्किट के टूर पैकेज और गंतव्य स्थलों के प्रति जिज्ञासा लेकर आ रहे है।यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि थाईलैंड में 23 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित बुद्धभूमि कार्यक्रम में पर्यटन विभाग ने भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल कुशीनगर थीम पर पवेलियन का निर्माण किया गया है। इसमें आने वाले आगंतुकों को उत्तर प्रदेश के प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थलों जैसे कुशीनगर, सारनाथ, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, संकिसा और कौशांबी से जुड़ी जानकारी पुस्तक, यात्रा वृतांत और स्टॉल आदि के माध्यम से प्रदान की जा रही है। जयवीर सिंह ने बताया कि बुद्धभूमि के स्टाल में ट्रेवल एजेंट और डेस्टिनी ट्रैवल की निदेशक अनामिका मिश्रा ने बताया कि थाईलैंडवासियों में भारत के बौद्ध स्थलों और खासकर यूपी के बौद्ध स्थलों में विशेष रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हर दिन करीब हजारों की संख्या में लोग इन गंतव्यों के बारे में पूछताछ कर रहें हैं। यहाँ के लोगों में बुद्ध के प्रति बहुत आस्था है और वो उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध बौद्ध स्थल जैसे सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती समेत सभी जगह भ्रमण कर भगवान बुद्ध के दर्शन को महसूस करना चाह रहे हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इन स्टालों में रोजाना 5000 से 8000 लोग भ्रमण के लिए आ रहें है जिसमें मुख्यतः युवा हैं और प्रसिद्ध बौद्ध स्थल के टूर पैकेज के बारे में जानकारी ले रहें है। सुदीप ने बताया कि हमारे पैकेज में 9 रातों और 10 दिन वाले पैकेज की कीमत औसतन 35 हजार रुपये है। जिसमें बोध गया के साथ प्रदेश के सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशांबी, संकिसा और कपिलवस्तु शामिल है।

अवसान माता के पूजन में शामिल हुए सिक्किम के राज्यपाल लक्षमण आचार्य

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के तेजगढ़ गांव में गुरूवार को छठवें विशाल अवसान माता पूजन महोत्सव में सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने नारी सशक्तीकरण पर महिलाओं को संबोधित किया। उत्सव का शुभारंभ सिक्किम राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने अवसान माता के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया। कार्यक्रम में बडी संख्या में मौजूद महिलाओं ने भी अवसान माता के पूजन अर्चन के साथ देवी के जयघोष लगाये। राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य ने कहा कि भारत देश सदैव देवियों के पूजन अर्चन व उनकी शक्ति को नमन करता आ रहा है। उन्होने कहा कि महिलाएं भारतीय संस्कृति को मजबूत बनाये रखने में अपने चरित्र बल से समाज का सशक्त नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने महिला सशक्तीकरण से जुडे सरकार के कई कल्याणकारी कार्यक्रमों की सराहना की। समारोह में अवसान माता की वरदानी महिमा का भी जमकर गुणगान हुआ। कार्यक्रम को सांसद संगमलाल, सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य व प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष राज्यसभा सदस्य गीता शाक्या ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव व संचालन साहित्यकार अनूप अनुपम ने किया। कार्यक्रम की संयोजिका एवं भाजपा महिला मोर्चा काशी क्षेत्र की कोषाध्यक्ष प्रतिभा सिंह तथा आयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेन्द्र सिंह ने सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को नागरिकों की ओर से सारस्वत सम्मान सौंपा। इस मौके पर भाजपा नेता राजा अनिल प्रताप सिंह, कुलवंत सिंह, नागेश प्रताप सिंह, केके सिंह आदि रहे। इसके पूर्व तेजगढ़ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को पुलिस प्रशासन द्वारा गॉड आफ आनर प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बडी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

आग लगने से मोबाइल की दुकान में लाखों के समान जले

आर0एन0एस0प्रतापगढ़। शार्टसर्किट से मोबाइल की दुकान में लगी आग से हजारों का सामान जलकर राख हो गया। बडी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका। लालगंज कोतवाली के बकियन का पुरवा रोहाड़ा निवासी जटाशंकर तिवारी पुत्र भुल्लर तिवारी सांगीपुर बाजार में नारायण इण्टर प्राइजेज के नाम से मोबाइल के थोक विक्रय का कारोबार करता है। पीडित के अनुसार मंगलवार की शाम वह दुकान बंद करके घर चला गया।

पुलिस की हीलाहवाली के चलते हत्यारोपी गिरफ्त से बाहर

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है मुकदमा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। अक्टूबर माह में जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के करिया बझना का विकास कुमार ऑनर किलिंग का शिकार हुआ। परिजनों ने कोतवाली में हत्या की नामजद तहरीर दी लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। अधिकारियों के चक्कर लगाए तो उन्होंने भी सुनवाई नहीं की। अंत में जनवरी माह में कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज हुई। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपियों से पांच लाख रुपए लेकर पुलिस उन्हें बचाने में जुटी है।

जयसिंहपुर कोतवाली अंतर्गत करिया बझना निवासी अजय कुमार के पुत्र विकास (22वर्ष) का शव गांव के हरिहरताला तालाब में 27 अक्टूबर 2023 को मिली थी। परिवार वालों का आरोप है कि विकास को बुरी तरह मारकर उसकी हत्या की गई और शव तालाब में फेका गया। इस प्रकरण में मृतक के पिता अजय ने जयसिंहपुर कोतवाली में नामजद तहरीर दी लेकिन मुकदमा पंजीकृत नहीं हुआ। यही नहीं अजय ने एसपी–डीएम सबके दरवाजे पर जाकर न्याय मांगा लेकिन जब कही सुनवाई नहीं हुई। लेकिन जब हर जगह से मायूसी हाथ लगी तो अंत में वो कोर्ट गया। जहां कोर्ट के आदेश पर 26 जनवरी को राकेश वर्मा निवासी अकोढ़ी थाना गोसाईगंज, विकास पुत्र सुखदेव और मृतक की प्रेमिका के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज हुआ। केस दर्ज हुए पूरे एक माह बीत गए हैं लेकिन आजतक नामजद आरोपियों को जयसिंहपुर पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी।

1000 सीसीटीवी करेंगे महानगर की निगहबानी

,आईटीएम कंट्रोल से जोडे जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरे

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) नगर निगम मथुरा वृन्दावन द्वारा स्थापित इन्टीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेन्ट सिस्टम के माध्यम से नगर निगम मथुरा वृन्दावन क्षेत्रान्तर्गत तिराहों चौराहों पर ट्रैफिक मैनेजमेन्ट स्थापित करते हुये ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की जा रही है। सेफ सिटी परियोजना के अन्तर्गत नगर निगम मथुरा वृन्दावन द्वारा शहर की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के दृष्टिगत सार्वजनिक स्थानों जैसे बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, मुख्य मार्गों, पेट्रोल पंपों, कालोनियों, गलियों, भवन आदि के बाहर लगे कैमरों को आईटीएम कन्ट्रोल रूम से इन्टीग्रेट किये जाने की कार्यवाही की जा रही है, जिसके अन्तर्गत कुल 1000 कैमरों को इन्टीग्रेटे किए जा रहे है। जिसके अंतर्गत 419 कैमरे की इंटीग्रेट किया जा चुका है। उक्त के क्रम में नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा आज आईटीएमएस कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का निरीक्षण किया गया। जिसमे कंट्रोल रूम से इंटीग्रेटेड किए गए कैमरों का लाइव फीड का अवलोकन किया गया। नगर आयुक्त महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि शेष कैमरों को भी जल्द से जल्द इन्टीग्रेट करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

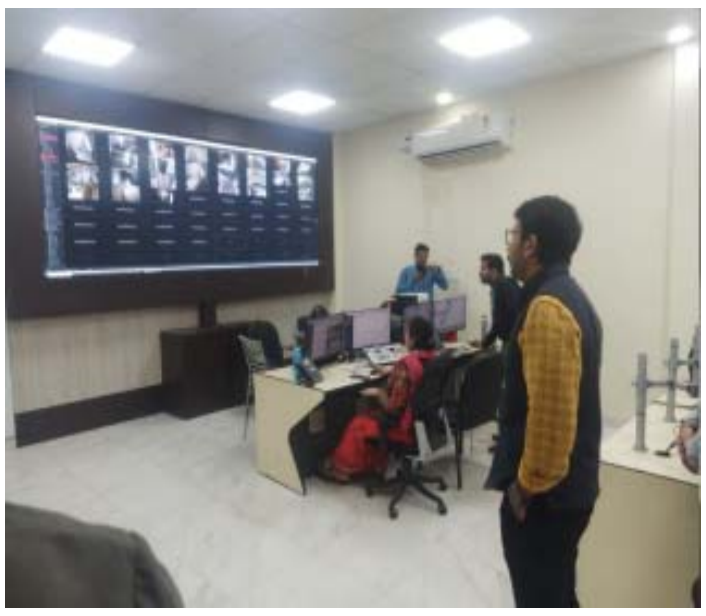

सी.एम.एस. अलीगंज कैम्पस द्वारा 'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' का भव्य आयोजन

लखनऊ, 29 फरवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस द्वारा विद्यालय प्रांगण में आयोजित 'डिवाइन एजुकेशन कान्फ्रेन्स' में विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग शिक्षात्मक–सॉस्कृतिक कार्यक्रमों की एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियों से विश्व एकता व विश्व शान्ति का जोरदार अलख जगाया। समारोह में

विद्यालय के मेधावी छात्रों को सार्वजनिक तौर पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में सर्वोच्चता अर्जित करने वाले छात्रों एवं वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया।इससे पहले, सी.एम.एस. संस्थापिका–निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी एवं विशिष्ट अतिथि श्री कार्तिकेय सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत् उद्घाटन किया एवं मेधावी छात्रों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में सी.एम.एस संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने कहा कि 'डिवाइन एजुकेशन' से ही हम बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सकते हैं अतः विद्यालयों में प्रार्थना अनिवार्य रूप से होनी चाहिए तथापि घरों में भी ईश्वरमय वातावरण होना चाहिए । विशिष्ट अतिथि श्री कार्तिकेय सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के लिए उसके अंदर छिपी शक्तियों तथा क्षमताओं को विकसित करना है, ताकि वह समाज के रचनात्मक विकास में योगदान दे सकें। श्री सिंह ने बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु सी.एम.एस. की शिक्षा पद्धति की भूरि–भूरि प्रशंसा की।इस अवसर पर अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए सी.एम.एस. अलीगंज प्रथम कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या श्रीमती ज्योति कश्यप ने कहा कि यदि समाज में सार्थक और स्थायी परिवर्तन उत्पन्न करना है तो शिक्षा को सामाजिक विकास से जोड़ना ही होगा। प्रधानाचार्या श्रीमती शिवानी सिंह ने बच्चों की हौसलाअफजाई करने के लिए अभिभावकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

गोवर्धन विधापीठ के छात्रों ने शिक्षा के क्षेत्र में परचम लहराया

(गोवर्धन) छाता मार्ग स्थित शिक्षा के क्षेत्र में सीबीएसई बोर्ड से अग्रणी भूमिका निभा रहे शिक्षण संस्थान गोवर्धन विधापीठ के छात्रों ने विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में अपना अपना स्थान प्राप्त करके विधालय परिवार के अलावा अपने परिवारजनों का नाम रोशन किया है। विदित है कि शैक्षणिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभा रहे गोवर्धन विधापीठ में अध्ययनरत छात्र – छात्राओं ने गोवर्धन विधापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल का नाम रोशन किया है। सीए फाउंडेशन में हर्षिता शर्मा एवं राहुल खंडेलवाल ने स्थान प्राप्त किया तो वहीं दूसरी ओर आई आई टी मैंस में 93.36 स्कोर प्राप्त करके अपनी जगह पर स्थान प्राप्त किया है। इससे विधालय परिवार का गर्व से स्थान ऊंचाई पर हो गया है तो वहीं परिवारजनों का नाम रोशन कर छात्रों ने अपने क्षेत्र में सीबीएसई बोर्ड का परचम लहराया है। इससे क्षेत्र में चहुंओर खुशी की लहर दौड़ गई है। घर पर व विधालय में बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है।

हर्षिता शर्मा | राहुल खंडेलवाल | मनीष शर्मा

नकाबपोश बदमाशों ने पेट्रोल पंप से लूटे 2.14 लाख

सुल्तानपुर(आरएनएस)। लूट की वारदातें पुलिस के लिए चुनौती बन गई हैं। लखनऊ–बलिया हाइवे पर देर रात पेट्रोल पंप पर बाइक सवार 3 नकाबपोश बदमाशों ने असलहों के बल पर सवा दो लाख रुपए लूटा और फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जयसिंहपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल किया और सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर कब्जे में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार केएनआई के सेवानिवृत प्राचार्य सुशील सिंह के बेटे दिव्यांशु सिंह निवासी गोमतीनगर, कोतवाली नगर की जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ–बलिया हाइवे पर राघवपुर शुक्ल के पास स्थित रॉयल पेट्रोलियम के नाम से पेट्रोल पंप है। बुधवार रात पेट्रोल पंप के मैनेजर शिवराम पाल निवासी महमूदपुर जंगल थाना मोतिगरपुर अपने 3 अन्य कर्मियों के साथ पेट्रोल पंप पर मौजूद थे। उन्होंने बताया कि रात करीब 10 बजे पेट्रोल पंप बंदकर के वह कार्यालय के बगल के कमरे में खाना खाने गए थे। तीनों कर्मी ऑफिस में ही मौजूद थे। इसी बीच बिना नंबर प्लेट की एक काले रंग की पल्सर बाइक से पहुंचे 3 नकाबपोश बदमाश पंप पर पहुंचे। एक बदमाश बाइक चालू हालत में रखकर खड़ा था, जबकि दो नकाबपोश बदमाश ऑफिस में घुस आए। जब तक कोई कुछ समझ पाता दोनों बदमाशों ने तमंचे के बल पर 2.14 लाख रुपए लूट लिए और बाइक पर सवार होकर तेजी से कादीपुर की ओर भाग निकले। मैनेजर शिवराम पाल ने बताया कि सबसे पहले हमने घटना की सूचना मालिक को दी। मालिक के कहने पर पुलिस को सूचना दी। सूचना के कुछ ही देर में पहुंची पुलिस पूछताछ के बाद अपने साथ सीसीटीवी की डीवीआर मशीन जांच के लिए ले गई है। वही गुरुवार दोपहर 11 बजे के करीब प्रभारी

समाजवादी पार्टी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष बने विश्वप्रताप सिंह यादव

झांसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश अखिलेश यादव ने ग्राम बम्हरौली मोठ निवासी विश्वप्रताप सिंह यादव को समाजवादी युवजन सभा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।बुधवार को युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद गिरी ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की अनुमति से बम्हरौली निवासी विश्वप्रताप सिंह यादव को समाजवादी पार्टी युवजन सभा में जिलाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है।विश्वप्रताप सिंह यादव को जिलाध्यक्ष बनाए जाने से समाजवादी पार्टी यहां और अधिक मजबूत हो जाएगी, ऐसा लोगों का मानना है। यह खबर मिलते ही विश्वप्रताप सिंह यादव के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने विश्वप्रताप सिंह यादव को फूल मालाओं से लादकर उनका जोरदार स्वागत किया। बताया जाता है कि विश्वप्रताप सिंह यादव इससे पहले समाजवादी पार्टी यूथ बिग्रेड में झांसी महानगर अध्यक्ष के पद पर थे उनके द्वारा किए गए समाजिक कार्य जगजाहिर है। उधर पत्रकारों से बात करते हुए विश्व प्रताप सिंह यादव ने कहा कि वे पार्टी के निर्देश का पालन करते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी का तन–मन– धन से सहयोग करेंगे। पार्टी प्रत्याशियों को जीत दिलाने में उनकी सक्रिय भूमिका रहेगी।

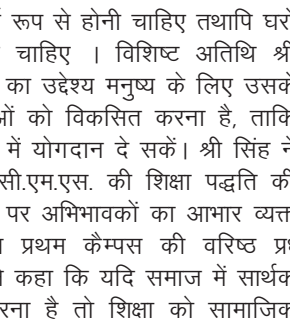

छेड़छाड़ के आरोपी को तीन वर्ष की सजा व 14 हजार 400 का अर्थदंड

(मथुरा) विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट रामकिशोर की अदालत ने गुरुवार को नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोप में अभियुक्त हरवीर उर्फ चिलुआ को दोषी मानते हुए तीन वर्ष का कारावास व 14 हजार 400 रुपए के अर्थदंड का फैसला सुनाया है।इस केस

की सरकार की ओर से पैरवी कर रही स्पेशल डीजीसी पॉक्सो कोर्ट श्रीमती अलका उपमन्यु ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना मगोर्रा में तहरीर दी थीजिसमें कहा गया था कि उसके तीन बच्चे है जिनमें पीडिता सबसे बड़ी है जिसकी उम्र 15 वर्ष है, उसे मेरा पडौसी हरवीर उर्फ चिलुआ आये दिन तंग व परेशान करता है और अकेला पाकर नंगा हो जाता है और उसे अश्लील इशारे करता है। इस संबंध में कई बार हरवीर उर्फ चिलुआ के परिवारीजनो से कहा तो उन्होने कहा कि हम उसे समझा देंगें। 03.09.2021 को जब प्रार्थी की पत्नी जो कि गूंगी व बहरी है, बच्चो के साथ घर में सो रही थी तो रात्रि करीब 02.30 बजे हरवीर उर्फ चिलुआ छत के रास्ते से घर के अन्दर घुस आया और उसकी नाबालिग पुत्री को गलत नीयत से पकड लिया। उसने हल्ला मचाया तो उसके छोटे भाई व बहन जाग गये। मां के विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की और मेरे बेटे उम्र करीब 08 वर्ष की गर्दन पर चाकू रख दिया और कहने लगा कि हल्ला किया तो इसकी गर्दन काट दूँगा। इस बात को सुनकर सभी शान्त हो गये और वह आसानी से छत के ही रास्ते से भाग गया। वादी मुकदमा की उपरोक्त तहरीर के आधार पर थाना–मगोर्रा, जिला मथुरा पर अभियुक्त हरवीर के विरूद्ध मुकदमा अपराध संख्या 180ध्2021, अन्तर्गत धारा 452, 354 क, 323, 506 भारतीय दण्ड संहिता व 7ध्8 पोक्सो एक्ट में दिनांक 13.09.2021 को ही पंजीकृत किया गया।गुरुवार को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट रामकिशोर यादव की अदालत ने अभियुक्त हरवीर उर्फ चिलुआ को अन्तर्गत धारा–323 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध हेतु 01 वर्ष के कारावास तथा पांच सौ रूपये के अर्थदण्ड, धारा–341 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध 01 माह के कारावास तथा पांच सौ रूपये के अर्थदण्ड, धारा–452 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध हेतु 03 वर्ष के कारावास तथा दस हजार रूपये के अर्थदण्ड, धारा–506 भारतीय दण्ड संहिता के अपराध हेतु अभियुक्त 01 वर्ष के कारावास तथा चार सौ रूपये के अर्थदण्ड, धारा 8 में अभियुक्त हरवीर उर्फ चिलुआ को 03 वर्ष के कारावास तथा तीन हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है।अर्थदण्ड न देने पर अभियुक्त अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतेगा। अभियुक्त द्वारा जेल में बितायी गयी अवधि इस सजा में समायोजित की जाएगी।

धूम–धाम से मनाया गया श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज का आविर्भाव दिवस

संजीव कुमार शुक्ला

लखनऊ रूश्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज के आविर्भाव दिवस पर कथा में उपाध्यक्ष श्रीमान भोक्ता राम प्रभु जी ने बताया कि इनका जन्म पुरी उड़ीसा मे 6 फरवरी 1874 को केदारनाथ श्रीमान भक्ति विनोद ठकुर जी के घर हुआ था स श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज जब 06 माह के थे तब भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा के दौरान उनका रथ इनके घर के सामने आकर रुक गया और 03 दिन तक वही रुका रहा, जब इनकी माताजी इन्हे भगवान के सामने लेकर आयीं तब भगवान के गले की माला इनके ऊपर गिर गयी यह देख कर इनके पिता जान गये कि भगवान ने इस बालाक को कृष्ण भावनामृत का प्रचार करने के लिए भेजा है सश्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज अत्यन्त तीक्ष्ण बुद्धि के थे, इन्होने 07 वर्ष की अवस्था मे सम्पूर्ण श्रीमद भगवतगीता कंठस्थ कर ली थी और 08 वर्ष की अवस्था मे उन्होंने इस पर प्रवचन देना शुरू कर दिया था, तरुणावस्था मे इनकी श्रद्धा को देखते हुए आपके पिताजी एवं महान आचार्य ने अपने शिष्य गौर किशोर दास बाबा जी महाराज के पास दीक्षा के लिए भेजा और कठिन परीक्षाओं के बाद उन्हें दीक्षा प्रदान की, जो उनके एक मात्र शिष्य हैं स श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज असाधारण प्रचारक थे, इनके असाधारण प्रचार एवं सफलता के अतिरिक्त भक्ति वेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद जैसा शिष्य भी इन्ही का योगदान है, जिन्होने अंतरष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) की स्थापना की और अपने गुरू श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज के निर्देशानुसार सम्पूर्ण विश्व मे कृष्ण भावनामृत का प्रचार–प्रसार किया सउल्लेखनीय है कि श्रील भक्ति सिद्धांत सरस्वती ठाकुर जी महाराज जी की 150वीं जन्म शताब्दी वर्ष पर उनके सम्मानार्थ भारत के यशश्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने रूव 500 का डाक टिकट एवं रूव 150ध्– का सिक्का भारत मंडपम मे अभी हाल मे ही जारी किया स कार्यक्रम के समापन पर अपरान्ह तक उपवास के उपरान्त सभी भक्तों के लिए भोजन प्रसादम(भंडारा) संपन्न हुआ।

अर्जी हम आन्दोलनकारियो की एवं मर्जी बुन्देलखण्ड के लोगों की

झांसी! बुंदेलखंड राज्य निर्माण तीन साल के भीतर करवा दिए जाने का वचन हम बूंदेलियो से रामराजा सरकार ओरछा धाम को साक्षी मान के किया गया था तीन साल की जगह दस साल पूरे होने के हैं , पर वचन पूरा नहीं किया गया। वचन पूरा किये जाने के लिए हर महीने दिए जाने वाले ज्ञापन के क्रम में प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला अधिकारी के माध्यम से भेट किया गया ज्ञापन देने के उपरान्त बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के योद्धाओं ने इलाईट सिनेमा पर ध अर्जी हम बुंदेलियो की एवं मर्जी बुंदेलखंड के निवासियों की कार्यक्रम के अन्तर्गत पर्चे बांटने व लोगों की कलाई पर राम बंधन बांधने का कार्य प्रारम्भ किया गया कार्यक्रम के दौरान मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय ने कहा कि हमीरपुर महोबा के भाजपा सांसद पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल जिन्होंने लोकसभा में राज्य निर्माण की मांग आठ बार उठाई परंतु बुंदेलखंड क्षेत्र के शेष आठों सांसदों ने लोकसभा में राज्य निर्माण का समर्थन नहीं कर मौन धारण किये रखा जो दर्शाता है कि ये आठों सांसद बुंदेलखंड राज्य के विरोधी है बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा द्वारा इन आठों सांसदों का अनेक बार पुतला जलाकर विरोध किया एवं इनकी सांसदी का पिंड दान किया फिर भी इन्होंने बुंदेलखंड राज्य की मांग लोक सभा में नहीं उठाई यह दर्शाता है कि ये पृथक राज्य के विरोधी है राम राजा सरकार के चरणों में राम बान पुजवाकर इन आठ सांसदों क्रमशः भानू वर्मा, वीरेंद्र खटीक, विष्णु दत्त शर्मा, अनुराग शर्मा, राज बहादुर सिंह, आर. के. पटेल, संध्या राय एवं पूर्व सांसद प्रहलाद पटेल के निर्वाचन क्षेत्र मे लोगों की कलाई में राम बान बांधते हुए कहा जाएगा कि तुमें राम कौ कौलध इन आठों सांसदों को हरा दें जिससे आने वाले समय मे कोई भी जनप्रतिनिधि हम बुंदेलियों को फिर से न छल सके ये आठ सांसद अंध भक्त की भाँति जुमले बाजों का अनुसरण कर बुंदेलखंड राज्य का साथ नहीं दे रहे है इसलिए केवल चुनाव में बुंदेली बनने बाले नेताओं को चुनाव में हरा कर सबक सिखान ही पड़ेगा रामराजा सरकार के श्री चरणों में रामवन्धन पुजवाकर पर्चे बाँटने एवं राम बंधन बांधकर उक्त सांसदों को बोट ना देने की अपील की गयी पर्चे बाँटने एवं राम बंधन बांधने वालों में एडवोकेट अशोक सक्सैना , रघुराज शर्मा, वरूण अग्रवाल, हमीदा अंजुम, कुँअर बहादुर आदिम हनीफ खान, प्रदीप नाथ झा, राम जी पारीछा, अनिल कश्यप, अनुराग मिश्रा, गोलू ठाकुर, नरेश वर्मा,सन्तोष दुवे बंटी, विकास पुरी, रशीद कुरैशी कलाम कुरैशी, विजित कपूर, सी डी लिटौरिया, प्रेम सपेरा, प्रदीप गुर्जर प्रभूदयाल कुशवाहा, राम गुप्ता,विजय रायकवार, शंकर रायकवार, शहीद बेगम, नूरजहां आदि उपस्थित रहे

नवागत मंडलायुक्त आईएएस बिमल कुमार दुबे द्वारा आयुक्त कार्यालय में पदभार ग्रहण किया गया

झांसी! आज नवागत मण्डलायुक्त, झांसी आईएएस बिमल कुमार दुबे जी के सर्किट हाउस आगमन पर जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, उपाध्यक्ष झांसी विकास प्राधिकरण, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अपर आयुक्त प्रशासन, अपर आयुक्त न्यायिक, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, सचिव झांसी विकास प्राधिकरण सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा शिष्टाचारपूर्वक पुष्पगुच्छ भेंट कर नवागत मण्डलायुक्त महोदय का स्वागत स्वागत किया गया इसके पश्चात नवागत मण्डलायुक्त द्वारा आयुक्त सभगाार में पदभार ग्रहण किया। उन्होने उपस्थित मण्डलीय अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इसके उपरांत उन्होने आयुक्त कार्यालय परिसर का भ्रमण कर परिधि में स्थित समस्त कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान सम्बन्धित पटल पर तैनात कर्मचारियों द्वारा नवागत मण्डलायुक्त का शिष्टाचार हार्दिक स्वागत किया गया नवागत मण्डलायुक्त के पदभार ग्रहण करने के दौरान जिलाधिकारी अविनाश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश एस0, नगर आयुक्त सत्यप्रकाश, उपाध्यक्ष झांसी विकास प्राधिकरण आलोक यादव, अपर आयुक्त प्रशासन महेंद्र कुमार मिश्रा, अपर आयुक्त न्यायिक उमाकांत त्रिपाठी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पांडेय, सचिव झांसी विकास प्राधिकरण श्रीमती उपमा पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण एवं उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त झांसी का विदाई समारोह आयुक्त सभागार में सम्पन्न

झांसी! आज 15 साल के प्रशासनिक सेवाकाल में झांसी मण्डल की सेवा मेरे जीवन का सबसे सुनहरा समय मण्डलायुक्त आज मण्डलायुक्त, झांसी डॉ0 आदर्श सिंह का विदाई समारोह आयुक्त सभागार में आयोजित किया गया इस अवसर पर जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, उपाध्याय झांसी विकास प्राधिकरण, अपर आयुक्त प्रशासन, अपर आयुक्त न्यायिक, मुख्य चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा आयुक्त महोदय का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

शिक्षिका की पुत्री स्वर्ण पदक से सम्मानित, बढ़ाया जिले का मान

मिल्कीपुर–अयोध्या (आरएनएस)। डीएवी कुमारगंज की शिक्षाका संतोष कुमारी एवं डीएवी बीना में तैनात अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष शिक्षक मोहन सिंह की पुत्री तथा कुमारगंज डीएवी की पूर्व छात्रा गरिमा सिंह को उपराष्ट्रपति जगदीश धनकड़ तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने स्वर्ण पदक से सम्मानित किया है। हिंदू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में आयोजित 100 वे दीक्षांत समारोह में एम एस सी जीव विज्ञान की टापर छात्रा गरिमा सिंह को विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह ने स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया इससे पूर्व देश के उपराष्ट्रपति जगदीश धनकड़ ने भी गरिमा को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया था। छात्र के पिता मोहन सिंह ने बताया कि गरिमा बचपन से ही मेधावी थी, उसने हाई स्कूल इंटर की शिक्षा आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय कुमारगंज डीएवी से प्राप्त की है। गरिमा का लक्ष्य वैज्ञानिक बनना है। गरिमा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजनों एवं माता–पिता एवं भाई को दिया है।

संपादकीय

पश्चिमी प्रतिबंधों की आंच

एआई2 माइक्रोसिस्टम्स एवं अन्य कंपनियों पर लगे प्रतिबंधों का भारत पर क्या असर होगा, इसका भारत सरकार अभी आकलन कर रही है। इस बीच मीडिया में ऐसी खबरें भी आई हैं कि भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नए प्रतिबंधों से प्रभावित होने लगा है।

रूस पर लगे नए पश्चिमी प्रतिबंधों की आंच भारत तक पहुंच गई है। रूस में विपक्षी नेता एलेक्सी नवालनी की मौत और यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरा होने के मौके पर अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने रूस और उससे कारोबार कर रही विदेशी कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए। इस बार उन्होंने भारतीय कंपनियों को नहीं बख्शा, जबकि उसके पहले तक आम तौर पर रूस पर लगे प्रतिबंधों से भारत अछूता रहा था। ईयू के ताजा प्रतिबंधों के दायरे में सेमीकंडक्टर अनुसंधान से जुड़ी चेन्नई स्थित कंपनी एआई2 माइक्रोसिस्टम्स भी आई है।

इस कंपनी की भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना तकनीक मंत्रालय के साथ सहभागिता है। इस रूप में कहा जा सकता है कि परोक्ष रूप से ईयू के प्रतिबंधों के दायरे में भारत सरकार भी आ गई है। एआई2 माइक्रोसिस्टम्स के रूसी कंपनियों के साथ कारोबारी रिश्ते बताए जाते हैं। एक अखबार की खबर के मुताबिक उस पर एवं अन्य कंपनियों पर लगे प्रतिबंधों का भारत पर क्या असर होगा, इसका भारत सरकार अभी आकलन कर रही है।

इस बीच मीडिया में ऐसी खबरें भी आई हैं कि भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नए प्रतिबंधों से प्रभावित होने लगा है। गुजरे दो साल में रूस के सस्ते कच्चा तेल को शोधित कर विश्व बाजार में बेचना कई भारतीय कंपनियों के लिए बेहद लाभकारी साबित हुआ। लेकिन आम अंदाजा है कि 2024 में इसे जारी रख पाना कठिन हो जाएगा। तो अब बड़ी तस्वीर यह उभरती है कि भू–राजनीतिक कारणों से पश्चिमी देश अब तक भारत के साथ जो खास रियायत बरत रहे थे, वह दौर अब गुजर रहा है।

हाल में अन्य मामलों में भी दिखा है कि पश्चिमी देशों का भारत के प्रति रुख अचानक सख्त होने लगा है। संभवतरू इसका कारण यह हो सकता है कि भू–राजनीतिक टकराव में अपने हक में भारत जिस भूमिका की उम्मीद उन्होंने बांधी थी, भारत ने उसके मुताबिक चलने से इनकार कर दिया। भारत संभवतरू अपने हितों को साधने के लिए पश्चिम के करीब जा रहा था। इन दोनों मकसदों में टकराव का असर अब देखने को मिल रहा है।

डब्लूटीओ से ना–उम्मीदियां

पश्चिम और चीन के बीच संबंध उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं कि उनके बीच विश्व–व्यापी मुक्त व्यापार पर समझौता होने की संभावना न्यूनतम बनी हुई है। इस टकराव का ही परिणाम है कि डब्लूटीओ गतिरोध का शिकार हो गया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) की 13वीं मंत्री स्तरीय बैठक अबू धाबी में बिना ज्यादा उम्मीद के माहौल में शुरू हुई है। दुनिया के मौजूदा रुझान के बीच यह मंच निष्प्रभावी अवस्था में पड़ा दिख रहा है। ऐसी संभावना नहीं है कि अबू धाबी बैठक में उन मूलभूत समस्याओं का निवारण होगा, जिसकी वजह से यह संगठन अपेक्षित भूमिका नहीं निभा पा रहा है। डब्लूटीओ के साथ सबसे बड़ी दिक्कत उसकी अपीलीय संस्था का निष्क्रिय अवस्था में पड़ा होना है। 2019 से विवाद निपटारे की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इस संस्था में जजों की नियुक्ति को अमेरिका ने रोक रखा है। तब डॉनल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति थे, जो मुक्त व्यापार की नीति के घोषित विरोधी थे। मगर जनवरी 2021 में राष्ट्रपति बनने के बाद जो बाइडेन ने भी डब्लूटीओ के बारे में नीति बदलने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध को जारी रखा। बल्कि एक कदम और बढ़ते हुए वे अमेरिका में औद्योगिक नीति लागू करने में जुट गए।

ये दोनों कदम सिरे से डब्लूटीओ के नियमों और भावना के खिलाफ हैं। उधर दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश चीन ने डब्लूटीओ के दायरे से बाहर रहते हुए अलग–अलग देशों और देश–समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने की नीति अपना रखी है। वैसे, चूंकि डब्लूटीओ उसके लिए फायदेमंद साबित हुआ है, इसलिए वह इस मंच को सक्रिय करने में भी जुटा हुआ है। मगर पश्चिम और चीन के बीच संबंध उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं कि उनके बीच विश्व–व्यापी मुक्त व्यापार पर समझौता होने की संभावना न्यूनतम बनी हुई है।

इस टकराव का ही परिणाम है कि डब्लूटीओ गतिरोध का शिकार हो गया है। 26 से 29 फरवरी तक चलने वाली 13वीं मंत्री स्तरीय वार्ता के एजेंडे में वैसे तो कई प्रमुख मुद्दे हैं। इनमें चीन की तरफ से निवेश के लिए एक प्रस्ताव भी है। बताया जाता है कि जो देश इसका विरोध कर रहे हैं, उनमें भारत प्रमुख है। चूंकि इस संगठन में फैसले आम सहमति से होते हैं, इसलिए चीन के प्रस्ताव का पारित हो पाना मुश्किल है। ऐसी ही आशंका अन्य मुद्दों को लेकर भी है।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के दौरान सबसे ज्यादा संकट में बसपा नजर आ रही है

त्रिकोणीय संघर्ष में मायावती के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपना पिछला प्रदर्शन बचाकर रखना है। विगत 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा को सपा रालोद गठबंधन के साथ लड़ने के कारण 10 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी किंतु अब समीकरण और गठबंधन दोनों ही काफी बदल गए हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का शंखनाद बस होने ही वाला है। सीटों की संख्या की दृष्टि से सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सभी दल अधिकतम सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। इस लक्ष्य को साधने के लिए प्रदेश में विपक्ष का इंडी गठबंधन बनकर तैयार हो गया है जिसमें समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का काफी ना–नुकुर के बाद तालमेल हो गया है। भारतीय जनता पार्टी राम लहर व विकास की लहर पर सवार होकर सभी 80 सीटों पर विजय प्राप्त करने की बात कह रही है और हर सीट पर केवल जिताऊ उम्मीदवार को ही टिकट देने का निर्णय कर चुकी है। वहीं बसपा अभी तक अकेले ही चुनावी मैदान में उतरने की बात कह रही है किंतु उसके सामने सबसे बड़ी समस्या टिकाऊ व जिताऊ उम्मीदवारों का न होना है। बसपा नेत्री मायावती को अब अपने ही सांसदों पर भरोसा नहीं रह गया है और कहा जा रहा है कि वह अपने सभी 10 सांसदो के टिकट काटने जा रही है ऐसे में टिकट कटने के भय व अपनी राजनीति को सुधारने की दृष्टि से कई सांसद पाला बदलने की तैयारी में लग गये हैं और कुछ ने पाला बदल भी लिया है। त्रिकोणीय संघर्ष में मायावती के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपना पिछला प्रदर्शन बचाकर रखना है। विगत 2019 के लोकसभा चुनावों में बसपा को सपा रालोद गठबंधन के साथ लड़ने के कारण 10 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई थी किंतु अब समीकरण और गठबंधन दोनों ही काफी बदल गए हैं। बसपा सांसद एक के बाद एक मायावती का साथ छोड़कर जा रहे हैं।

यह भी सुनने में आ रहा है कि बसपा के कई वर्तमान व पूर्व सांसद भाजपा व कांग्रेस के साथ संपर्क बनाकर चल रहे हैं। अभी तक बसपा के जो सांसद पाला बदल चुके हैं उनमें जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी के भाई अफजाल अंसारी सपा में जा चुके हैं जबकि बसपा का एक और चर्चित मुस्लिम चेहरा दानिश अली कांग्रेस में जा चुके हैं तथा एक और सांसद श्याम सिंह पहले यह भारतीय जनता पार्टी के साथ संपर्क में थे किंतु टिकट पक्का न हो पाने के कारण कांग्रेस में चले गये हैं। बसपा को सबसे बड़ा झटका दिया है उसके एकमात्र ब्राह्मण सांसद रितेश पाण्डेय ने जो अब भारतीय जनता पार्टी के साथ चले गये हैं और इस बात की प्रबल संभावना है कि उन्हें भाजपा से टिकट मिल सकता है। बसपा सांसद रितेश पाण्डेय उन सांसदों के समूह में भी शामिल थे जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के बजट सत्र के दौरान भोज पर बुलाया था। अंबेडकरनगर से बसपा सांसद रितेश पाण्डेय ने पार्टी पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए बसपा से इस्तीफा दिया और उसी दिन कुछ ही क्षणों के बाद भाजपा में शामिल हो गये। रितेश पाण्डेय ने 2019 के लोकसभा चुनावों में योगी सरकार के सहकारिता मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा को हराया था और यह 2017 अंबेडकरनगर लोकसभा सीट के अंतर्गत जलालपुर विधानसभा सीट से विधायक भी बने थे। 2009 से 14 तक इनके पिता राकेश पाण्डेय भी बसपा के सांसद रह चुके हैं और इस परिवार का क्षेत्र में काफी गहरा प्रभाव माना जाता है। रितेश पाण्डेय बसपा के सबसे पढ़े लिखे सांसद थे। उन्होंने 2005 में लंदन के यूरोपियन बिजनेस स्कूल से इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। रितेश ने ब्रितानी युवती कैथरीना से प्रेम विवाह कर अपना घर बसाया है। सांसद बनने के बाद मायावती ने 2020 में लोकसभा में दल का नेता भी बनाया था, इसके बावजूद उनका कहना है कि बसपा में उनकी उपेक्षा की जा रही है जबकि एक बड़ी सत्यता यह भी है कि चूंकि वह बसपा से अंबेडकरनगर के सांसद थे और अपनी व जनमानस की इच्छाओं के अनुरूप अपने क्षेत्र का विकास नहीं कर पा रह थे और आगामी लोकसभा चुनावों में राम लहर के कारण अपनी पराजय भी स्पष्ट रूप से समझ रहे थे क्योंकि जिस प्रकार बहन मायावती ने श्रीराम मंदिर के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया उसके कारण उनकी बची–खुची लोकप्रियता का किला भी ध्वस्त हो गया। बसपा सांसदों को यह भी पता है कि इस बार उन्हें सपा काडर का वोट नहीं मिलने जा रहा है। लाभार्थी योजनाओं के कारण भारतीय जनता पार्टी ने अब बसपा के असली वोटबैंक जाटव और दलित समाज तथा पसमांदा समाज के वोटबैंक में सेंध लगाने के लिए कमर कस ली है। बसपा की एक और सांसद संगीता आजाद भी भाजपा नेताओं के साथ संपर्क में बनीं हुई हैं। इसी प्रकार कई अन्य बसपा नेता भी भाजपा के संपर्क में बताये जा रहे हैं। इस बीच यह भी खबर है कि बसपा के मुस्लिम सांसद गुड्डू जमाली सपा के साथ संपर्क में हैं। बसपा के समक्ष उसकी सबसे बड़ी समस्या है कि उसके पास अपने गिरते ग्राफ को सुधारने के लिए कोई होनहार नेता नहीं है। बसपा को उत्तर प्रदेश में वर्ष 2007 में 30 प्रतिशत मत मिले थे जबकि 2022 के विधानसभा चुनावों में मात्र 12 प्रतिशत मत मिल और केवल एक विधायक ही विधानसभा में पहुंच सका। बहन मायावती जब प्रदेश के मुख्यमंत्री बनीं तब उनकी सरकार में घोटालों की बाढ़ आयी हुई थी और मुस्लिम तुष्टिकरण भी चरम सीमा पर रहता था। मायावती के कई बाहुबली विधायकों पर महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध करने के आरोप भी लगे। इनके कारनामों के कारण 2014 में बसपा को एक सीट भी नहीं मिली। बसपा नेत्री मायावती ने अपने भतीजे

आकाश आनंद को अपनी पार्टी का नया उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है किंतु उनकी पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता उनके इस निर्णय को पूरी तरह से पचा नहीं पा रहे हैं और अभी उनकी इतनी पकड़ भी प्रदेश की राजनीति में नहीं है। बसपा नेता मायावती सदा भ्रम में रहती हैं और कभी भी स्पष्ट विचारों वाली राजनीति नहीं कर पा रही हैं। हालांकि वह महिलाओं, दलितों व अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर आरक्षण के नाम पर हमलावर रहती हैं लेकिन अब उनमें अपील नहीं बची है हालांकि जाटव समाज का एक बड़ा तबका आज भी मायावती को ही अपनी पहली पसंद बताता है। मायावती राजनैतिक भ्रम का शिकार हैं। कभी ब्राह्मणों पर हो रहे अत्याचार को मुद्दा बनाकर चुनावी मैदान में उतर जाती हैं जब वह चुनाव नहीं जीत पातीं तब वह ब्राह्मण समाज को भूल जाती हैं। उनकी राजनीति की सबसे बड़ी समस्या मुस्लिम समाज का वोटबैंक भी है। दरअसल यह वही मायावती हैं जिन्होंने विगत विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण को पैनी धार देने के लिए मुस्लिम समाज से अयोध्या में बाबरी मस्जिद बनवाने का वादा किया था और एक 50 पृष्ठों की एक बुकलेट प्रकाशित करवायी थी। बसपा की वेबसाइट पर आज भी हिंदू सनातन विरोधी बयानों को देखा जा सकता है। बसपा का मूल विचार हिंदू सनातन विरोधी है और यह लोग हिंदू देवी देवताओं का घोर अपमान करते हैं तथा दूर दराज के गांवों में बसपा कार्यकर्ता जाटव व अन्य दलित समाज को भड़काते रहते हैं। बसपा कभी तिलक, तराजू और तलवार के खिलाफ नारा लगाती है और फिर अपनी जमीन को सुधारने के लिए 2022 के विधानसभा चुनावों में जय श्रीराम भी बोलती है। देश का जनमानस इन मायावी नेताओं को अच्छी तरह से समझ चुका है। बसपा ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार करके अपना राजनैतिक अंत कर लिया है और यही कारण है कि बसपा के अच्छे सांसद व नेता अब अपना राजनैतिक भविष्य सुधारने की तैयारी करने के लिए पार्टी छोड़कर जा रहे हैं।

किसान तो सिर्फ ढाल हैं, इस संगठित भीड़तंत्र के इरादे कुछ और लगते हैं

वहीं किसान आन्दोलन में देखें तो लाखों रुपए के नए नए ट्रैक्टर, उनमें महंगे–महंगे साउंड सिस्टम, लग्जरी सुविधाएं, वैनिटी वैन के रूप में ट्रैक्टर ट्राली को बनाकर रखना हैरानी पैदा करता है। कानूनी व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस के सुरक्षात्मक प्रबंधों को तोड़ने के लिए स्पोकलेन मशीनें लाई जा रही हैं। किसानों ने फिर से दिल्ली कूच करने के लिए आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया है। उनके प्रतिनिधियों के साथ केन्द्र सरकार के मन्त्रियों की कई दौर की बैठकें भी विफल हो रही हैं। इस बीच यह किसान आन्दोलन निरंतर नए मोड़ और नए रंग ढंग में दिख रहा है। यदि किसानों की मांगों को देखा जाए तो किसानों एवं अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए कई विषय विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है– तकनीकी एवं प्रायोगिक रूप से ये अधिकांशतः मांगें ऐसी हैं जिन्हें पूरा करना सम्भव नहीं है। साथ ही ये देश की अर्थव्यवस्था एवं नीतियों पर विपरीत प्रभाव डालने वाली हैं। वर्तमान में यदि केन्द्र सरकार द्वारा 22 फसलों पर दिए जाने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की ही बात करें तो यह देश की जीडीपी का 2 प्रतिशत भाग है। जबकि देश के रक्षा बजट के लिए 1.7 प्रतिशत और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र के लिए जीडीपी से 2.1 प्रतिशत राशि आवंटित की जाती है। साथ ही एमएसपी का सर्वाधिक हिस्सा पंजाब के 43 लाख 33 हजार किसानों के खाते में ही जाते हैं। अतएव मुख्य मुद्दे सभी फसलों पर एमएसपी को लेकर केन्द्र सरकार क्या निर्णय लेती है, यह भविष्य में देखते ही बनेगा। किन्तु इन सबके बीच यह किसान आन्दोलन जिस ढंग से अशांति की ओर बढ़ता जा रहा है। उससे इसकी मंशा पर सवाल उठने लगे हैं। वस्तुतरू समूचा देश अपने किसानों के हित से जुड़े हुए मुद्दों में हमेशा साथ खड़ा रहता। यह आवश्यक भी है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें किसानों की दशा एवं दिशा सुधारने के लिए पर्याप्त कदम उठाएं। ऐसी नीतियां एवं कार्य–प्रणालियां विकसित करें जिनसे किसान समृद्धि की ओर बढ़ सकें। जहां किसानों से जुड़े हुए आन्दोलन यदि शांतिपूर्ण ढंग से होते हैं तो उसमें एकजुटता दिखती है। वहीं इसका सकारात्मक परिणाम भी सामने निकलकर आता है। किन्तु वर्तमान में पंजाब के सिख किसानों द्वारा किया जाने वाला आन्दोलन अपनी राह एवं उद्देश्य से पूरी तरह हटा हुआ दिख रहा है। इस किसान आन्दोलन में शकिसानश गौण होता हुआ और योजनाबद्ध राजनीति चरम पर देखने को मिल रहा है। वर्तमान में दिखने वाला यह पैटर्न हाल ही के वर्षों में श्भीड़तन्त्रश की दादागीरी के रूप में उभरा है। जो कहीं भी किसी भी प्रकार से कानून व्यवस्था को धता बताने और उपद्रव को अपना अधिकार समझता है। आखिर ये कैसे आन्दोलन और प्रदर्शन हैं ? जो हिंसा, उत्पात मचाते हुए कानून व्यवस्था के विरुद्ध खड़े होते हैं। एक संगठित भीड़ कहीं भी किसी भी सड़क व स्थान को घेर लेती है। यातायात को बुरी तरह बाधित कर आम जनजीवन को अस्त–व्यस्त कर दिया जाता है। क्या किसी भी आन्दोलन के नाम पर ऐसा किया जाना सही ठहराया जा सकता है ? इस समय पंजाब के सिख किसानों ने आन्दोलन के नाम पर किस तरह का कोहराम उत्पन्न किया है।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप किसी पुराने दोस्त के साथ डिनर करने जा सकते हैं। किसी बात से परेशान लोग आज अपने माता–पिता से विचार विमर्श करेंगे तो शोल्युशन मिल जाएगा। माता–पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। ऐसा करने से आपको लाभ होगा। मनोरंजन के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है।

वृष राशि–आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आप काम करने के नए टारगेट पर विचार करेंगे। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा।

मिथुन राशि–आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको किसी अजनबी से कुछ नया सिखने को मिलेगा जो भविष्य में आपके काफी काम आएगा। आज के दिन की शुरुआत शानदार रहने वाली है। जो लोग मिट्टी के बर्तन बनाने के व्यवसाय से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा।

कर्क राशि–आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव करेंगे। आज किसी अजनबी से बहस न करें। पैसों के लेन–देन के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही ना करें। अपने ध्यान को केंद्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें।

सिंह राशि–आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप माता जी को कोई साड़ी गिफ्ट करेंगे जिससे आपको भी खुशी मिलेगी। आज ऑफिस के काम में आपको कलीग की सहायता से आपका काम समय से व आसानी से पूरा हो जाएगा। आज रुके हुए कार्यों में आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा।

कन्या राशि–आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आज आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का मन बनाएंगे। आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा। इस राशि के लेखन से जुड़े लोगों का मन क्रिएटिव रहेगा।

तुला राशि–आज का दिन आपके उत्तम रहने वाला है। आज कार्यस्थल पर आपके किए गए कामों की सराहना की जाएगी। आज किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे।

वृश्चिक राशि–आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। परिवार को समय देने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आफिस के काम को आज आप जल्द पूरा कर लेंगें। आज किसी समारोह में जाने का प्लान बना सकते हैं। बच्चों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि–आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज कोई बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है। संतान के करियर को बेहतर बनाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा होगा।

मकर राशि–आज का दिन आपक लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पडने से बचना चाहिए। छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना चाहिए। लवमेट्स एक दूसरे की भावनाओ को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनाएंगे।

कुंभ राशि–आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। बॉस आपको कोई नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा।

मीन राशि–आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। आज कोई नई जिम्मेदारी आपको मिलेगी, जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे। कला के क्षेत्र से जुडे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप नया वाहन लेने का मन बनाएंगे।

मैदान में डटी निक्की हैली को सलाम!

कल मैंने लिखा था कि अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के मुकाबलों में डोनाल्ड ट्रंप हार नहीं सकते। लेकिन बावजूद इसके यह जरूरी नहीं कि अपराजेय व्यक्ति के सामने हथियार डाल ही दिए जाएं।

इसलिए उनकी विरोधी निक्की हैली अंतिम क्षण तक ट्रंप से मुकाबला करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वे मानती हैं कि उन्हें तब तक हार स्वीकार नहीं करनी है जब तक अंतिम मैच का परिणाम घोषित नहीं हो जाता। संशय और निराशा जिन लोगों का मूलभाव है, वे मानते हैं कि हैली एक हारा हुआ मैच खेल रही हैं। वे ट्रंप से मीलों पीछे हैं और उनके गृह राज्य साउथ केरोलाईना में उनकी करारी हार के बाद उन्हें चंदा देने वाले लगभग गायब हो गए हैं। पर हर हार, हर प्रहार उन्हें और मजबूती दे रहा है। वे मैदान छोड़कर भागने वालों में से नहीं हैं। और यही कारण है कि अंतिम क्षण तक उम्मीद का दामन न छोड़ने वाले ट्रंप–विरोधियों के लिए और सुशिक्षित खांटी रिपब्लिकनों के लिए वे अब भी आशा की किरण हैं। वे लोग अब भी आशान्वित हैं। और हैली भी। साउथ केरोलाईना में उनकी हार के बाद उन्होंने एक तार्किक तर्क प्रस्तुत कियारू श्हमें साउथ केरोलाईना में 40 फीसद वोट मिले हैं। न्यू हैम्पशायर में भी हमें करीब–करीब इतने ही वोट मिले थे। मैं अकाउंटेंट हूँ और जानती हूँ कि 40 फीसद, 50 फीसद नहीं होते। मगर मैं यह भी जानती हूँ कि 40 फीसद बहुत कम भी नहीं होते।श्

हैली एक मंझी हुई राजनेता हैं। वे जो कहतीं हैं वह लोगों को वाजिब लगता है। ट्रंप के तीखे हमलों और ट्रंप–समर्थकों द्वारा उनकी सभाओं में उन्हें हूट करने के बावजूद वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्हें अपने तर्कों और विचारों की सत्यता पर पूरा भरोसा है। ट्रंप–युग की शुरुआत के बाद से अमेरिका में वोट देने के आधार बदल गए हैं। मतदाता एक गढ़े गए राजनैतिक नैरेटिव की गिरफ्त में हैं और पूरी तरह ध्रुवीकृत हो चुके हैं। ट्रंप को श्रमिक वर्ग के अशिक्षित पुरुषों और महिलाओं का पूरा समर्थन हासिल है। अमेरिकी मीडिया कहता है कि यह वर्ग, कुल मतदाताओं का करीब चौथाई हिस्सा है और ट्रंप–युग के अविर्भाव से पहले यह वोट ही नहीं देता था। अब समय बदल गया है और जाहिर है कि इसके सबसे बड़े लाभार्थी ट्रंप हैं। मगर हैली इस स्थिति से कतई घबराई हुईं नहीं हैं दृ या कम से कम ऐसे लगता तो है। अब तक जितने भी राज्यों में चुनाव हुए हैं, उनमें से एक में भी वे जीत हासिल नहीं कर सकीं हैं। इसका मतलब यह है कि प्राइमरीज में उनकी विजय की कोई सम्भावना नहीं है। मुकाबला बहुत कड़ा, बल्कि एकतरफा है, मगर हैली मजबूती से जमी हुई हैं। उन्हें किस चीज से ताकत मिल रही है? वे मैदान छोड़ने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? ऐसी रेस में दौड़ते रहने का क्या अर्थ है जिसमें आपकी हार तय हो? अगर ट्रंप की जीत सुनिश्चित है, तो लड़ते रहने का क्या मतलब है?

निक्की हैली, पार्टी के रीगन युग की आखिरी प्रतिनिधि हैं। और वे यह जानती हैं। वे नहीं चाहती कि यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी ट्रंप जैसे लफ्फाजों के सामने घुटने टेक दे। उनकी सोच ट्रंप के ठीक उलट है। वे चाहती हैं कि अमेरिका की वैश्विक मामलों में दखल हो, वे मुक्त व्यापार की हामी हैं और उनका विचार है कि आम लोगों की रोजाना की जिन्दगी में सरकार का कम से कम हस्तक्षेप होना चाहिए। वे मानती हैं कि अमेरिका अब भी एक महान और भला देश है। इसके विपरीत, ट्रंप आज के अमरीका पर हमलावर हैं और मानते हैं कि वे अमरीका के मुक्तिदाता, उसके मसीहा है। पिछले हफ्ते के अंत में अपने सार्वजनिक भाषणों में हैली ने जोर देकर कहा कि रूस अपने साम्राज्य का विस्तार करता चाहता है और पहले से कहीं अधिक खतरनाक बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकियों को नाटो की उपयोगिता पर संदेह हैं। वे यह भी मानती हैं कि नेताओं की भाषा और लहजा संयत होना चाहिए। फोर्ट मिल में बोलते हुए उन्होंने कहा श्हमें ऐसे हालात नहीं बनने देने चाहिए जिनमें हम किसी व्यक्ति से सिर्फ इसलिए नफरत करें क्योंकि उसके राजनैतिक विचार हमसे अलग हैं।

हमें अपने देश में बढ़ते गुस्से और अलगाव को कम करना है। यह ठीक नहीं है, कम से कम युवाओं के लिए तो बिलकुल भी नहीं। उन्हें ऐसा नहीं बनना चाहिए। यह शुभ नहीं है।श उन्होंने घरों पर मालिकाना हक, नौकरियों, कर्ज और युद्ध भड़कने की आशंका जैसे मसलों पर चर्चा की। इन मुद्दों को देखिये और हैली के विचारों को समझिये तो आपको लगेगा कि घुटने न टेकने का उनका निर्णय सही है।

400–400 ही क्यों, 500 क्यों नहीं ?

कहावत है थोथा चना, बाजे घना! और यह बात जनसंघ–भाजपा की राजनीति पर शुरू से लागू है। मेरी याद्दाश्त में यूपी में जनसंघ द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी को मुख्यमंत्री बनाने का हल्ला करके विधानसभा चुनाव जीतने की हवाबाजी से लेकर 2004 में शाइनिंग इंडिया और अब विकसित भारत से 400 सीट का शोर इस बात का प्रमाण है कि ढोलबाजी में भाजपा का जवाब नहीं है।

पिछले सप्ताह भाजपा का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ। और भाजपा के प्रतिनिधियों ने पार्टी की दशा पर नहीं सोचा। बूझा नहीं कि पार्टी किस तरह कांग्रेसियों, दलबदलुओं, सत्तालोलुपों से भरती हुई है। चाल, चेहरे, चरित्र में भूखी, नंगी होती हुई है। मगर प्रतिनिधियन भक्ति में 400 सीटों का गुब्बारा लेकर घर लौटे। सब 400–400 के हल्ले से बम–बम हैं।

पहली बात, 400 सीटें पा भी ली तो कौन सा कीर्तिमान बनना है? छप्पर फाड़ जीत और दस–पंद्रह साल के राज से भी क्या हो जाना है? और भाजपा को 400 सीटें मिल रही है या एनडीए को? और 415 सीटें तो 1984 में राजीव गांधी की कमान में अकेले कांग्रेस की जीती हुई है! कांग्रेस के जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी ने 17–17 साल राज किया तो मोदी पंद्रह साल राज करें, अमित शाह बीस साल राज करें तो क्या हो जाएगा?

बहरहाल, भाजपा और एनडीए की अनहोनी तब है जब नरेंद्र मोदी 400 से पार नहीं, बल्कि 500 से पार सीटें जीतने का रियल रिकॉर्ड बनाएं। इतना सब करने के बाद भी यदि पूरा भारत उनके चरणों में नहीं लोटे तो क्या मतलब होगा। फिर सबसे बड़ी बात जो उन्होंने खुद चुनाव में कांग्रेस के पूरी तरह डूबने की बात कही हुई है। उसी के चलते सारे उपाय हैं। कांग्रेस चुनाव के लिए इकट्ठा हुआ पैसा खा लिया गया है। कांग्रेस और विपक्ष के कथित बड़े–महान नेता खरीद लिए गए हैं। अकड़ू हेमंत सोरेन, अरविंद केजरीवाल जैसों को जेल में डाला जा रहा है।

भारत के खिलाफ जहर उगलने वाली ब्रिटिश प्रोफेसर को एयपोर्ट से क्यों किया गया था डिपोर्ट ? विदेश मंत्रालय ने खुद बताया

48 वर्षीया को कर्नाटक सरकार ने 24 और 25 फरवरी को एक सम्मेलन में बोलने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन आव्रजन अधिकारियों ने अनौपचारिक रूप से कौल की आरएसएस की आलोचना का संदर्भ देकर, कश्मीरी– उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया। भारत में प्रवेश से वंचित किए जाने के भारतीय मूल की ब्रिटिश नागरिक निताशा कौल के दावों के बारे में बोलते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि देश में विदेशी नागरिकों का प्रवेश एक संप्रभु निर्णय है। उनके दावों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यूके नागरिक 22 फरवरी को भारत आई थी। जैसा कि आप जानते हैं, हमारे देश में विदेशी नागरिकों का प्रवेश एक संप्रभु निर्णय है। कुछ दिन पहले, यूके में भारतीय मूल की प्रोफेसर निताशा कौल ने एक्स पर पोस्ट की सीरिज में कहा था कि बेंगलुरु हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उन्हें भारत में प्रवेश से वंचित कर दिया गया और कुछ घंटों बाद देश से बाहर निकाल दिया गया। 48 वर्षीया को कर्नाटक सरकार ने 24 और 25 फरवरी को एक सम्मेलन में बोलने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन आव्रजन अधिकारियों ने अनौपचारिक रूप से कौल की आरएसएस की आलोचना का संदर्भ देकर, कश्मीरी– उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया। लेखक ने आगे दावा किया। लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों पर बोलने के लिए भारत में प्रवेश से इनकार कर दिया गया। यूके में वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कौल ने एक्स पर लिखा कि मुझे कर्नाटक सरकार (कांग्रेस शासित राज्य) द्वारा (एक) सम्मानित प्रतिनिधि के रूप में एक सम्मेलन में आमंत्रित किया गया था, लेकिन केंद्र ने मुझे प्रवेश से इनकार कर दिया। मेरे सभी दस्तावेज वैध और वर्तमान (यूके पासपोर्ट और ओसीआई) थे। भाजपा ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर कटाक्ष करते हुए पूछा कि क्या लेखक को आमंत्रित करके, वह संविधान को चुनौती देने और भारत की एकता और अखंडता को खतरे में डालने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक बीजेपी ने ट्वीट करते हुए कहा कि सूखा राहत या कर्नाटक की विकास संबंधी जरूरतों पर खर्च करने के लिए कोई पैसा नहीं है, लेकिन सिद्धारमैया राहुल गांधी को खुश करने और अपने सीएम की कुर्सी बचाने के प्रयास में भारत तोड़ो ब्रिगेड को वित्त देने में खुश हैं, यह सब डॉ. अंबेडकर के संविधान के नाम पर कितना अपमानजनक है। हालाँकि, कांग्रेस ने कहा कि उन्हें कथित तौर पर देश में प्रवेश से वंचित किया जाना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ–साथ संघीय सिद्धांतों पर हमला है, जबकि भाजपा ने उन्हें श्भारत विरोधीश करार दिया और कहा कि उनका स्वागत नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र अधिकार प्रमुख का बड़ा बयान, इजराइल–हमास युद्ध में सभी पक्षों की तरफ से किए गए युद्ध अपराध

तुर्क ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को बताया, युद्ध अपराध और संभवतः अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों सहित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार और मानवीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन सभी पक्षों द्वारा किया गया है।संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने गुरुवार को कहा कि इजराइल और हमास के बीच संघर्ष में सभी पक्षों द्वारा युद्ध अपराध किए गए हैं, उनकी जांच करने और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की मांग की गई है। तुर्क ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को बताया, युद्ध अपराध और संभवतः अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों सहित अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार और मानवीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन सभी पक्षों द्वारा किया गया है।यह शांति, जांच और जवाबदेही का समय है बहुत पुराना समय। इजरायली आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले में हमास के बंदूकधारियों ने 1,200 लोगों की हत्या कर दी और 253 बंधकों को पकड़ लिया। इस हमले ने हमास द्वारा संचालित गाजा में एक इजरायली हमले को जन्म दिया, जिसके बारे में उसका कहना है कि इसका उद्देश्य शेष बंधकों को छुड़ाना और हमास को खत्म करना है। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि हमले के दौरान 30,000 से अधिक लोगों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। तुर्क गाजा और इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में मानवाधिकार की स्थिति पर एक रिपोर्ट पेश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके कार्यालय ने कई घटनाएं दर्ज की हैं जो इजरायली बलों द्वारा युद्ध अपराधों के बराबर हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संकेत भी हैं कि इजरायली सेना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए अंधाधुंध या अनुपातहीन लक्ष्यीकरण में लगी हुई है।

गाजा में अब बम और गोलियों से ही नहीं बल्कि भूख–प्यास से भी जा रही है लोगों की जान

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि गाजा में अब भूख से मौतें होने लगी हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एक मानवीय एजेंसी ने कहा है कि उसकी एजेंसियों को गाजा तक प्रवेश से वंचित किया जा रहा है और सहायता ले जा रहे वाहनों पर अक्सर गोलीबारी होती रहती है।ं के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि गाजा के हालात पर चिंता सब जता रहे हैं लेकिन कोई कुछ कर नहीं पा रहा है। हमने जानना चाहा कि इजराइल–हमास संघर्ष अब किस दिशा में आगे बढ़ता दिख रहा है? उन्होंने कहा कि यह संघर्ष दिखा रहा है कि मानवाधिकारों की बड़ी–बड़ी बातें करने वाले देश कैसे अमानवीय कृत्यों पर चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइल और हमास के बीच युद्ध में मरने वाले फिलस्तीनियों की संख्या 30,000 के पार चली गयी है। उन्होंने कहा कि देखा जाये तो यह बड़ा आंकड़ा है लेकिन किसी का ध्यान इस ओर नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका एक कारण यह भी है कि इस साल दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में चुनाव हैं इसलिए राजनीतिक दल चुनावों की तैयारियों में जुटे हुए हैं और इजराइल गाजा के बाद अब रफा में आगे बढ़ता जा रहा है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि गाजा में संघर्ष बेहद चिंता का विषय है और इससे उत्पन्न मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने सात अक्टूबर को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवाद और बंधक बनाना भी अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि संघर्षों से उत्पन्न होने वाले मानवीय संकटों के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता होती है जो सबसे अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे। उन्होंने कहा कि साथ ही, हमें स्पष्ट होना चाहिए कि आतंकवाद और बंधक बनाना अस्वीकार्य है। यह भी कहने की जरूरत नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन मुद्दे का दो–राज्य समाधान होना चाहिए और देखना चाहिए कि संघर्ष क्षेत्र के भीतर या बाहर न फैले। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि गाजा में अब भूख से मौतें होने लगी हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एक मानवीय एजेंसी ने कहा है कि उसकी एजेंसियों को गाजा तक प्रवेश से वंचित किया जा रहा है और सहायता ले जा रहे वाहनों पर अक्सर गोलीबारी होती रहती है। उन्होंने कहा कि गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि उत्तरी गाजा के कमाल अदवान और अल–शिफा अस्पतालों में छह बच्चों की निर्जलीकरण और कुपोषण से मौत हो गई है। उन्होंने कहा कि यह दर्शा रहा है कि गाजा और फिलस्तीन के अन्य क्षेत्रों में अब बम और गोलियों से नहीं बल्कि भूख और प्यास से भी मौतें होने लग गयी हैं जोकि पूरी दुनिया के लिए शर्म की बात है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि इसके अलावा, गाजा में युद्ध और लेबनान के साथ सीमा पर तनाव के बीच इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने जो संकेत दिये हैं वह दर्शा रहे हैं कि इजराइल अब रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ही इजराइल को रफा में आगे बढ़ने से समझा कर रोक सकता था लेकिन वहां के नेता राष्ट्रपति चुनावों में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जिस तरह इजराइल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर घिरे हुए हैं उसको देखकर यही लगता है कि वह हमास नाम की समस्या को खत्म करके ही मानेंगे चाहे इसके लिए इजराइली रक्षा बलों को फिलस्तीन के कितने ही निर्दोष लोगों की जान लेनी पड़े।

पाकिस्तान की नई संसद के पहले सत्र की हंगामेदार शुरुआत बड़ा राजनीतिक तूफान आने का संकेत दे गयी

ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि देश के शक्तिशाली सैन्यतंत्र सेना के आलाकमान और खुफिया एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस के समर्थन से बनाई जा रही गठबंधन सरकार को चूंकि जनता का समर्थन हासिल नहीं है इसलिए इसके ज्यादा समय तक चलने की संभावना नहीं है। प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि पाकिस्तान में चल रही राजनीतिक उठापटक को आप कैसे देखते हैं? हमने यह भी जानना चाहा कि क्या पाकिस्तान को एक स्थायी सरकार मिल पायेगी? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि जिस तरह पाकिस्तान नेशनल असेंबली के सत्र की हंगामेदार शुरुआत हुई है वह दिखा रहा है कि पाकिस्तान में आने वाले दिन राजनीतिक लिहाज से कठिन रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि छह दलों के बीच सत्ता के लिए तो समझौता हो गया है लेकिन देश को विकट हालात से निकालने के लिए कोई रूपरेखा नहीं बनाई गयी है। उन्होंने कहा कि जिस तरह पीपीपी ने चाल चलते हुए सरकार को बाहर से समर्थन देने की बात कही है और राष्ट्रपति पद मांग लिया है उससे आने वाले दिनों में पाकिस्तान की राजनीति नई करवट ले सकती है। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा नेशनल असेंबली का सत्र बुलाए जाने के बाद देश के नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ ली। उन्होंने कहा कि खास बात यह रही कि पाकिस्तान के तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने भी नेशनल असेंबली के एक साधारण सदस्य के रूप में शपथ ली। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवारों को आरक्षित सीट आवंटित करने के मुद्दे पर कार्यवाहक सरकार के साथ मतभेद के कारण अल्वी के शुरुआती इंकार के बाद नयी संसद का पहला सत्र आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सांसदों द्वारा आठ फरवरी के आम चुनाव में कथित धांधली के खिलाफ नारे लगाए जाने के बीच अध्यक्ष ने नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव शनिवार को होने की उम्मीद है और पीएमएल–एन तथा पीपीपी के बीच चुनाव बाद समझौते के तहत पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सदन का नया नेता चुना जाना तय है। उन्होंने कहा कि चुनाव में पीटीआई पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने नेशनल असेंबली की सर्वाधिक 93 सीट जीती हैं। पीएमएल–एन ने 75 और पीपीपी को 54 सीट पर जीत मिली थी। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम–पी) के खाते में 17 सीट आई थीं। ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि देश के शक्तिशाली ष्सैन्यतंत्रष सेना के आलाकमान और खुफिया एजेंसी इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस के समर्थन से बनाई जा रही गठबंधन सरकार को चूंकि जनता का समर्थन हासिल नहीं है इसलिए इसके ज्यादा समय तक चलने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि शहबाज शरीफ अपने पिछले कार्यकाल में भी कोई छाप नहीं छोड़ पाये उल्टा उनके कार्यकाल में पाकिस्तान में आतंकवाद और महंगाई बढ़ी तथा विदेशों से कर्ज लेने में मुश्किल पेश आई। उन्होंने कहा कि नयी सरकार का पहला लक्ष्य आईएमएफ से कर्ज लेना होगा लेकिन यह आसान नहीं होगा क्योंकि इमरान खान ने आईएमएफ को पत्र लिखकर कहा है कि नया कर्ज देने से पहले पुराने कर्ज के खर्च का ऑडिट कराया जाये। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी युवा जिस तरह इमरान खान के समर्थन में उतर रहे हैं उससे यही लग रहा है कि नई सरकार कुछ दिनों की मेहमान ही रहेगी। उन्होंने कहा कि बहरहाल एक बात साफ है कि पाकिस्तान की 16वीं नेशनल असेंबली का पहला सत्र जिस तरह हंगामे के साथ शुरू हुआ उससे वहां जल्द ही बड़ा राजनीतिक तूफान आने का संकेत भी मिला है।

कश्मीर मुद्दा पर भारत ने न्छ में कहा, पाकिस्तान के खून में डूबे हुए देश को भारत के खिलाफ बयान देने का कोई अधिकार नहीं

भारतीय राजनयिक अनुपमा सिंह ने पाकिस्तान के रुख की विडंबना पर प्रकाश डाला और उनके मानवाधिकार रिकॉर्ड को ष्वास्तव में निराशाजनकष करार दिया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें नियमित सत्र में भारत की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं। भारत ने आज संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में जम्मू–कश्मीर के बारे में पाकिस्तान के आरोपों का कड़ा जवाब देते हुए कहा कि ऐसे ष्खराबष रिकॉर्ड वाले देश को दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। अपने श्उत्तर देने के अधिकारश का प्रयोग करते हुए भारत ने कहा कि पाकिस्तान के पास भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें नियमित सत्र में भारत की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत के खिलाफ झूठे आरोप प्रचारित करने के लिए परिषद का फिर से दुरुपयोग किया गया है। अनुपमा सिंह ने कहा, ष्पाकिस्तान द्वारा भारत के व्यापक संदर्भों के संबंध में, हम ध्यान देते हैं कि परिषद के मंच का एक बार फिर से भारत के खिलाफ स्पष्ट रूप से झूठे आरोप लगाने के लिए दुरुपयोग किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। भारतीय राजनयिक ने पाकिस्तान के रुख की विडंबना को उजागर करते हुए उनके मानवाधिकार रिकॉर्ड को ष्वास्तव में निराशाजनकष करार दिया। उन्होंने अगस्त 2023 में जरनवाला शहर में ईसाई समुदाय के खिलाफ उत्पीड़न की एक विशिष्ट घटना की ओर इशारा किया, जहां 19 चर्चों को नष्ट कर दिया गया और 89 ईसाई घरों को जला दिया गया। उन्होंने कहा, ष्क ऐसा देश जिसने अपने ही अल्पसंख्यकों के प्रणालीगत उत्पीड़न को संस्थागत बना दिया है और जिसका मानवाधिकार रिकॉर्ड वास्तव में बेहद खराब है, भारत पर टिप्पणी करना, जो स्पष्ट रूप से आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय हासिल करने में बड़ी प्रगति कर रहा है, न केवल विडंबनापूर्ण है, बल्कि विकृत भी है।ष .पाकिस्तान सरकार की विफलताएं ही आतंकवाद का प्रयोजन है अनुपमा सिंह ने यूएनएससी–स्वीकृत आतंकवादियों के लिए पाकिस्तान के समर्थन पर भी ध्यान आकर्षित किया और देश पर विश्व स्तर पर आतंकवाद को प्रायोजित करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि भारत आतंकवाद के खून–खराबे, कर्ज में डूबी राष्ट्रीय बैलेंस शीट और अपने हितों की पूर्ति में अपनी सरकार की विफलता के कारण यहां के लोगों को होने वाली शर्मिंदगी से लथपथ देश पर अधिक ध्यान नहीं दे सकता है। 26 फरवरी से शुरू हुआ यूएनएचआरसी सत्र 5 अप्रैल तक चलेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच आदान–प्रदान दोनों देशों के बीच व्यापक राजनयिक प्रवचन का हिस्सा है। पिछले वर्ष अगस्त में, भारत ने पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंधों के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण की आवश्यकता पर बल दिया था। विदेश मंत्रालय ने सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा व्यक्त की थी और आतंकवाद मुक्त माहौल के महत्व पर जोर दिया था। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले एक साक्षात्कार में कहा था कि पाकिस्तान का भविष्य उसके कार्यों और विकल्पों पर निर्भर है। उन्होंने सुझाव दिया कि घटते विदेशी मुद्रा भंडार, उच्च मुद्रास्फीति और अपनी मुद्रा के तेज मूल्यह्रास सहित अपनी आर्थिक समस्याओं से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढना पाकिस्तान पर निर्भर है।

पाकिस्तान की नवनिर्वाचित संसद का पहला सत्र, सांसदों ने ली पद की शपथ, नजर आए इमरान खान के पोस्टर

सेना समर्थित पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) गठबंधन सरकार के साथ उन्हें सत्ता से बाहर करने के लिए तैयार है। चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच पाक की नवनिर्वाचित संसद ने शपथ ली। इस्लामाबाद में 336 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों का पहुंचना शुरू हो गया है। धांधली के व्यापक आरोपों से घिरे चुनाव के तीन सप्ताह बाद पाकिस्तान की नई संसद की पहली बैठक के दौरान सांसदों को शपथ दिलाई गई। पाकिस्तान में 8 फरवरी को मतदान हुआ था। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई थी। उनकी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी को गिरफ्तारी और सेंसरशिप के अभियान द्वारा निशाना बनाया गया। खान के समर्थकों ने किसी भी अन्य पार्टी की तुलना में अधिक सीटें जीतने के लिए कड़ी मशक्कत के बावजूद, सेना समर्थित पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) गठबंधन सरकार के साथ उन्हें सत्ता से बाहर करने के लिए तैयार है। चुनाव में धांधली के आरोपों के बीच पाक की नवनिर्वाचित संसद ने शपथ ली। इस्लामाबाद में 336 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों का पहुंचना शुरू हो गया है। सत्र की शुरुआत के साथ ही पीटीआई समर्थकों ने इमरान खान के पोस्टर के साथ नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को केवल इमरान ही बचा सकते हैं। पीटीआई के कार्यवाहक प्रमुख गोहर अली खान ने शपथ लेने के लिए पहुंचने पर संवाददाताओं से कहा कि लोकतंत्र में संसद एक पवित्र स्थान है। जिनके पास जनता का विश्वास नहीं है और जिनके पास जनादेश नहीं है, उन्हें यहां नहीं बैठना चाहिए। जब गोहर ने सांसदों के रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए तो उन्होंने एक पोस्टर लहराया, जिस पर लिखा था, ष्इमरान खान को रिहा करो, लेकिन कैमरे कट जाने के कारण यह क्षण सरकारी टीवी प्रसारण से गायब हो गया। शरीफ परिवार की पीएमएल–एन पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो के वंश द्वारा संचालित पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के साथ–साथ कई छोटे गुटों के साथ शासन करने के लिए सहमत हो गई है। बदले में पीपीपी को उनके पितामह और भुट्टो के विधुर आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति पद देने का वादा किया गया है। कैबिनेट पदों की घोषणा अभी बाकी है। विश्लेषक व्यापक गठबंधन को एक अस्थिर उद्यम मानते हैं, जो 240 मिलियन से अधिक की आबादी

वाले देश को व्याप्त आर्थिक और सुरक्षा संकटों का सामना करना पड़ रहा है। मॉनिटर्स ने यह भी चेतावनी दी है कि पीएमएल–एन गठबंधन को जनता के कुछ हिस्सों द्वारा वैधता की कथित कमी का सामना करना पड़ सकता है, जो इस बात पर संदेह करते हैं कि उनके वोटों की गिनती की गई थी या नहीं।

राष्ट्रपति चुनाव के रण में बगैर किसी रोक-टोक ग्रैंड एंट्री के लिए तैयार ट्रंप!

न्यायाधीशों ने विशेष वकील जैक स्मिथ द्वारा चलाए जा रहे आपराधिक मामले पर रोक लगा दी है और अभियोजन से छूट के ट्रम्प के दावे को निचली अदालत द्वारा खारिज करने की समीक्षा करेंगे क्योंकि वह राष्ट्रपति थे जब उन्होंने राष्ट्रपति जो बिडेन की चुनावी जीत को उलटने के उद्देश्य से कार्रवाई की थी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तमाम आपराधिक केस चल रहे हैं। इनमें से 2020 में हुए चुनाव में धांधली का केस भी शामिल है। जिस पर कैपिटल हिल परिसर में हिंसा भी देखने को मिली थी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने डोनाल्ड ट्रंप पर इस आपराधिक केस में छूट दिए जाने पर फैसला सुनाया और कहा कि पूर्व राष्ट्रपति को इस केस पर अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए एक और मौका दिया जाना चाहिए। न्यायाधीशों ने विशेष वकील जैक स्मिथ द्वारा चलाए जा रहे आपराधिक मामले पर रोक लगा दी है और अभियोजन से छूट के ट्रम्प के दावे को निचली अदालत द्वारा खारिज करने की समीक्षा करेंगे क्योंकि वह राष्ट्रपति थे जब उन्होंने राष्ट्रपति जो बिडेन की चुनावी जीत को उलटने के उद्देश्य से कार्रवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 22 अप्रैल के सप्ताह के दौरान एक प्रश्न पर मौखिक बहस के लिए निर्धारित किया गया। जिनमें देखा जाएगा कि किस हद तक एक पूर्व राष्ट्रपति को कार्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान आधिकारिक कृत्यों में शामिल आचरण के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने से राष्ट्रपति की छूट प्राप्त है। आपराधिक मुकदमा चलाने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प, 5 नवंबर के अमेरिकी चुनाव में डेमोक्रेट बाइडेन को चुनौती देने के लिए रिपब्लिकन नामांकन के लिए सबसे आगे हैं।

रूस पर एक्शन, भारत को झटका, अमेरिका के इस कदम से फायदे में रहेंगे ये देश

प्रमुख भारतीय व्यापारी ने पश्चिमी भारतीय राज्य गोवा में कोलट्रांस सम्मेलन के मौके पर रॉयटर्स को बताया कि नए प्रतिबंधों के साथ, मुझे उम्मीद नहीं है कि कोई भी बड़ी भारतीय कंपनी रूसी कार्गो खरीदेगी।यूक्रेन और रूस में जारी युद्ध के बीच अमेरिका की तरफ से मॉस्को पर नए प्रतिबंधों की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका की तरफ से रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों में भुगतान प्रणाली, वित्तीय संस्थान और ऊर्जा उत्पादन शामिल हैं। रूस के खिलाफ अमेरिका के इस एक्शन का भारत पर भी बड़ा असर पड़ना तय है। रूसी कोयले के तीन प्रमुख व्यापारियों ने कहा कि मॉस्को पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों से रूस से थर्मल कोयले के भारतीय आयात में कटौती की संभावना पिछले प्रतिबंधों की तुलना में अधिक है। उन्होंने इसके लिए विशेष रूप से शीर्ष निर्यातकों एसयूईके और मेचेल का हवाला दिया। रूस ऐतिहासिक रूप से भारत को ईंधन का एक छोटा निर्यातक था। उसने यूक्रेन पर आक्रमण के बाद मास्को के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद दक्षिण एशियाई देश में शिपमेंट को बढ़ावा देना शुरू कर दिया। नए अमेरिकी प्रतिबंधों में रूस की भुगतान प्रणाली, वित्तीय संस्थान और ऊर्जा उत्पादन भी शामिल हैं। प्रमुख भारतीय व्यापारी ने पश्चिमी भारतीय राज्य गोवा में कोलट्रांस सम्मेलन के मौके पर रॉयटर्स को बताया कि नए प्रतिबंधों के साथ, मुझे उम्मीद नहीं है कि कोई भी बड़ी भारतीय कंपनी रूसी कार्गो खरीदेगी। दो भारतीय और एक रूसी व्यापारियों ने नाम बताने से इनकार कर दिया क्योंकि वे मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। दूसरे भारतीय व्यापारी ने कहा कि कोयले की शिपमेंट अभी भी नहीं रुकेगी, लेकिन लोग रूसी कार्गो को छूने में अधिक झिझकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों से इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे अन्य कोयला आपूर्तिकर्ताओं को फायदा हो सकता है।रॉयटर्स द्वारा समीक्षा किए गए जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चलता है

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 01 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

बीसीसीआई अनुबंध नहीं मिलने पर नाराज इरफान पठान, हार्दिक पंड्या को लेकर उठाए सवाल

इरफान पठान ने बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, रणजी ट्रॉफी खेलने के आदेश का पालन नहीं करने पर बोर्ड ने ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध नहीं दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि जो मानदंड ईशान–अय्यर के लिए हैं वो हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ियों के लिये क्यों नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध पर सवाल उठाए हैं। दरअसल, रणजी ट्रॉफी खेलने के आदेश का पालन नहीं करने पर बोर्ड ने ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध नहीं दिया। वहीं इरफान पठान को बोर्ड का ये फैसला बिलकुल भी ठीक नहीं लगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जो मानदंड ईशान–अय्यर के लिए हैं वो हार्दिक पंड्या जैसे खिलाड़ियों के लिये क्यों नहीं था। बता दें कि, बीसीसीआई ने बुधवार को ईशान और श्रेयस के केंद्रीय अनुबंध रद्द कर दिये जबकि 2018 से एक भी टेस्ट नहीं खेले पंड्या को ग्रेड 'ए ' का अनुबंध दिया गया। इसी को लेकर इरफान ने एक्स पर लिखा, ष्अगर हार्दिक जैसे खिलाड़ी लाल गेंद का क्रिकेट नहीं खेलना चाहते तो क्या उन्हें और उनके जैसे दूसरों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने पर सफेद गेंद का घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये।'' पठान ने आगे कहा कि, अगर यह सब पर लागू नहीं होता तो भारतीय क्रिकेट को इच्छित नतीजे नहीं मिलेंगे। वहीं ईशान पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरा छोड़ने के बाद झारखंड के लिये रणजी ट्रॉफी खेलने नहीं आये। उन्होंने आईपीएल की तैयारी शुरू कर दी जिसमें वह मुंबई इंडियंस के लिये खेलेंगे। वहीं अय्यर भी बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेलने मुंबई टीम से नहीं जुड़े जबकि ग्रोइन की चोट के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद भारतीय टीम से बाहर थे। इरफान ने कहा कि, ये दोनों प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं और उम्मीद है कि मजबूती से वापसी करेंगे।

आईपीएल 2024 से पहले में निकोलस पूरन का बढ़ा कद, लखनऊ ने सौंपी उपकप्तानी

वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स ने एक अहम घोषणा की है। जहां वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन को उपकप्तान बनाया। लखनऊ ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। लखनऊ ने एक्स पर एख पोस्ट शेयर की है। इसमें केएल राहुल के साथ निकोलस पूरन नजर आ रहे हैं। आईपीएल 2024 का 22 मार्च से आगाज हो रहा है। टूर्नामेंट का पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स बनाम रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेला जाएगा। टूर्नामेंट के लिए सभी टीमों ने तैयारी लगभग पूरी कर ली है। वहीं इस सिलसिले में लखनऊ ने एक अहम घोषणा की है। जहां वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन को उपकप्तान बनाया। लखनऊ ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। लखनऊ ने एक्स पर एख पोस्ट शेयर की है। इसमें केएल राहुल के साथ निकोलस पूरन नजर आ रहे हैं। साथ ही टीम ने कैप्शन में लिखा है कि, पूरन को उपकप्तान बनाया गया है। निकोलस पूरन लखनऊ के साथ 2023 से हैं। इससे पहवे वे पंचाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस की टीम से रह चुके हैं। लखनऊ ने पूरन को 16 करोड़ रुपए में खरीदा है। इसके बाद उन्हें 2024 में रीटेन किया जाएगा। पूरन ने 2022 में हैदाराबाद के साथ थे, हैदराबाद ने उन्हें 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। निकोलस पूरन अनुभवी खिलाड़ी हैं। वे आईपीएल में अभी तक 62 मैच खेल चुके हैं, इस दौरान उन्होंने 1270 रन बनाए हैं। पूरन ने टूर्नामेंट में 6 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77 रन रहा है। वे बॉलिंग में भी हाथ आजमा चुके हैं। पूरन ने आईपीएल में 6 विकेट भी लिए हैं। अगर उनके इंटरनेशनल करियर को देखें तो वह भी प्रभावी रहा है। पूरन ने 80 टी20 मैचों में 1848 रन बनाए हैं। इस दौरान 11 अर्धशतक लगाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं

7 मार्च से धर्मशाला में भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज में भारतीय टीम अभी तक 4 खिलाड़ियों को डेब्यू करा चुकी है। वहीं अब कहा जा रहा है कि, देवदत्त पडिक्कल को आखिरी टेस्ट में डेब्यू का मौका दिया जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच 7 मार्च से धर्मशाला में पांचवां और आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। इस सीरीज में भारतीय टीम अभी तक 4 खिलाड़ियों को डेब्यू करा चुकी है। वहीं अब कहा जा रहा है कि, देवदत्त पडिक्कल को आखिरी टेस्ट में डेब्यू का मौका दिया जाएगा। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल अभी तक फिट नहीं हो सके हैं। राहुल हाल ही में अपनी चोट की जांच कराने के लिए लंदन गए थे। हिन्दुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार राहुल के मैच से पहले फिट हो पाने की संभावना नहीं है। धर्मशाला में मुकाबला 7 मार्च से शुरू होगा, जबकि भारतीय टीम यहां 3 मार्च को एकट्ठा होगी।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया कि, पडिक्कल धर्मशाला में डेब्यू करेंगे। राहुल के उपलब्ध होने की संभावना नहीं है और टीम प्रबंधन पडिक्कल पर नजर रखना चाहता है क्योंकि ये आईपीएल से पहले आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच है। रजत पाटीदार अपने डेब्यू के बाद से एक पारी को छोड़कर खास प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज ने 6 पारियों में 10 की औसत से 32,9,5,0,17,0 रन बनाए हैं। पाटीदार के खराब प्रदर्शन के सामने आते ही पडिक्कल का डेब्यू लगभग तय माना जा रहा था। दूसरी ओर, देवदत्त पडिक्कल ने दिखाया है कि उनके पास रेड–बॉल क्रिकेट में रन बनाने की क्षमता है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए और फिर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। पिछले फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम चार शतक हैं, जिसमें इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी एक शतक शामिल है।

धर्मशाला टेस्ट के लिए भारतीय टीम का ऐलान,केएल राहुल हुए बाहर

7 मार्च से धर्मशाला में खेले जाने वाले भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई ने भारतीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। वहीं इस टीम में चोट के कारण केएल राहुल बाहर हो गए हैं जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट मैच के लिए बीसीसीआई ने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। वहीं इस स्क्वॉड में केएल राहुल नहीं हैं जबकि जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। दरअसल, केएल राहुल चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी टेस्ट से भी बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम केएल राहुल पर कड़ी निगरानी रख रही है। साथ ही उनकी समस्या के आगे के प्रबंधन के लिए लंदन में विशेषज्ञों के साथ बातचीत भी कर रही है। वहीं बुमराह को रांची टेस्ट में आराम दिया गया था। जिसके बाद वो 7 मार्च को मैदान पर वापसी करेंगे। इसके साथ ही स्पिन गेंदबाज वॉशिंगटन सुंदर को टीम से रिलीज कर दिया गया है। वह 2 मार्च 2024 से मुंबई के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल मुकाबले के लिए अपनी रणजी ट्रॉफी टीम तमिलनाडु में शामिल होंगे। जरूरत पड़ने पर वह पांचवें टेस्ट के लिए घरेलू मैच पूरा होने के बाद भारतीय टीम में शामिल हो सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए भारतीय टीम रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुबमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

राहुल द्रविड़ के लिए ध्रुव जुरेल ने लिखी दिल की बात, जानें क्या लिखा ?

ध्रुव जुरेल ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के लिए सोशल मीडिया पर अपने दिल की बात लिखी। जिसमें उन्होंने हेड कोच को महान व्यक्ति बताया है। इस दौरान जुरेल ने द्रविड़ के साथ एक पुरानी और हाल ही में रांची टेस्ट के बाद की तस्वीर शेयर की। जुरेल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू करने का मौका मिला। भारत के विकेटकीपिंग बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के लिए सोशल मीडिया पर अपने दिल की बात लिखी। जिसमें उन्होंने हेड कोच को महान व्यक्ति बताया है। इस दौरान जुरेल ने द्रविड़ के साथ एक पुरानी और हाल ही में रांची टेस्ट के बाद की तस्वीर शेयर की। जुरेल को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू करने का मौका मिला। वह रांची टेस्ट में टीम इंडिया की जीत के हीरो थे। उन्हें उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के अवॉर्ड से नवाजा गया था। टीम इंडिया 5 मैच की इस सीरीज में 3–1 की बढ़त बना चुकी है। सीरीज का आखिरी मैच 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाना है। धर्मशाला में पांचवें और अंतिम टेस्ट से पहले जुरेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर द्रविड़ के लिए एक नोट लिखा और उन्हें एक महान व्यक्ति बताया। द्रविड़ उनके अंडर–19 वर्ल्ड कप विजेता अभियान में मुख्य कोच थे, अब वह सीनियर राष्ट्रीय टीम में भी उनके कोच हैं। जुरेल ने एक्स पर पोस्ट किया, जूनियर से सीनियर लेकिन हमेशा इस महान व्यक्ति के छात्र रहे। जुरेल 2022 में भारत की अंडर–19 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा थे, भारत ने उस टूर्नामेंट के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। राहुल द्रविड़ उस टीम के मुख्य कोच थे। सीनियर टीम में उनकी एंट्री बेहतरीन रही है। केएस भारत की जगह उन्हें राजकोट टेस्ट में खेलने का मौका मिला जहां उन्होंने अपनी डेब्यू पारी में 46 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने विकेट के पीछे अपनी प्रतिभा दिखाई।

इस पूर्व खिलाड़ी का बयान, कहा– शखाली होने पर रोहित और कोहली को भी खेलना चाहिए घरेलू क्रिकेट

कीर्ति आजाद ने गुरुवार को क्रिकेटरों के लिये रणजी ट्रॉफी खेलने के बीसीसीआई के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा कि यह अच्छी पहल है और रोहित शर्मा तथा विराट कोहली समेत भारतीय टीम के हर सदस्य पर लागू होनी चाहिये। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य कीर्ति आजाद ने गुरुवार को क्रिकेटरों के लिये रणजी ट्रॉफी खेलने के बीसीसीआई के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा कि यह अच्छी पहल है और रोहित शर्मा तथा विराट कोहली समेत भारतीय टीम के हर सदस्य पर लागू होनी चाहिये। ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को रणजी ट्रॉफी नहीं खेलने के कारण केंद्रीय अनुबंध गंवाना पड़ा है। आजाद ने पीटीआई वीडियो से कहा ,'' यह निर्देश बहुत अच्छी पहल है। हर किसी को रणजी ट्रॉफी खेलनी चाहिये। पांच दिन का क्रिकेट ही असली क्रिकेट है। घरेलू क्रिकेट खेलना अच्छी बात है।'' उन्होंने कहा ,'' जब भी खिलाड़ी खाली हो तो उन्हे अपने प्रदेश के लिये रणजी क्रिकेट खेलना चाहिये। चाहे वह रोहित शर्मा हो या विराट कोहली। प्रदेश ने आपको खिलाड़ी बनने का मौका दिया जिससे आप देश के लिये खेल सके।'' उन्होंने हालांकि कहा कि सिर्फ ईशान और श्रेयस को सजा देना सही नहीं है। उन्होंने कहा ,'' सिर्फ दो को सजा देना सही नहीं है। हर किसी को सजा मिलनी चाहिये। सभी को समान नजर से देखा जाना चाहिये।'' आजाद ने इस पर टिप्पणी से इनकार कर दिया कि क्या ईशान और श्रेयस के लिये रास्ते अब बंद हो चुके हैं। उन्होंने कहा ,'' मेरा सवाल यह है कि क्या वे पर्याप्त घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं।

देर तक सोने वाले हो जाएं सावधान ! सुधार लें आदत वरना भुगतना पड़ेगा अंजाम

हमारे बड़े–बुजुर्ग ब्रह्म मुहूर्त यानी सूर्योदय से पहले सोकर उठ जाने की सलाह देते हैं. आजकल की लाइफस्टाइल और दिनभर की भागदौड़ के बाद ऐसा कर पाना बहुत से लोगों के लिए आसान नहीं है. लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई है. बहुत से लोग देर रात में सोते हैं और सुबह देर तक सोते ही रहते हैं. ऐसा करने वाले बड़े–बुजुर्गों की सुबह जल्दी उठने वाली सलाह मान लें, वरना उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं झेलनी पड़ सकती है. देर तक सोने से कई बीमारियां आपके शरीर को शिकार बना सकती हैं. इसके 5 नुकसान बेहद खतरनाक हैं...

देर तक सोने के 5 गंभीर नुकसान

बिगड़ जाएगी मेंटल हेल्थ

सुबह देर तक सोने वालों की मेंटल हेल्थ बुरी तरह प्रभावित हो सकती है. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसा करने वालों में चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन और मूड स्विंग जैसी समस्याएं बढ़ सकती है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं.पाचन से जुड़ी समस्याएंसुबह देर तक सोते रहने से पाचन तंत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है. इससे बाउल धीमी गति से काम करता है. जिससे कॉन्स्टिपेशन की प्रॉब्लम्स हो सकती है. इसके अलावा पाइल्स की समस्या भी देर से उठने वालों को हो सकती है.दिल हो जाएगा बीमारसुबह देर तक सोने वालों को सही तरह धूप नहीं मिल पाती है और शरीर का हार्मोन्स अपना संतुलन खोने लगता है. जिससे ब्लड प्रेशर लेवल और कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी बढ़ सकता है. इससे हार्ट से जुड़ी कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं.मोटापाऐसे लोग जिन्हें देर से सोकर उठने की आदत है, उनकी मेटाबॉलिक रेट काफी कम होती है. इसकी वजह से कुछ भी खाने के बाद कैलोरी बर्न करने में परेशानी आती है. जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है और इसकी वजह से मोटाबा बढ़ सकता है. डायबिटीज देर तक सोकर उठने वालों में हाई ब्लड प्रेशर की समस्या देखी जाती है, जिसकी वजह से डायबिटीज उन्हें अपना शिकार बना सकता है.

मेंटल हेल्थ सुधारनी है तो जमकर करें डांस, जानें कैसे करता है मदद

अगर आप अपनी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो डांस एक बहुत ही अच्छा उपाय है. डांस न सिर्फ हमें खुश रखता है, बल्कि यह हमारे तनाव को भी कम करता है. जब हम डांस करते हैं, तो हमारा शरीर खुशी देने वाले हार्मोन छोड़ता है, जिससे हमारा मूड अच्छा होता है. इसके अलावा, डांस करने से हम अपनी रोजमर्रा की चिंताओं से दूर हो जाते हैं और पल भर के लिए सब कुछ भूल जाते हैं. तो, अगर आप अपने मन को हल्का करना चाहते हैं और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने पसंदीदा संगीत पर जमकर डांस करें.

तनाव कम करता है

जब हम डांस करते हैं, तो हमारा शरीर एक खास हार्मोन निकालता है जिसे एंडोर्फिन कहते हैं. यह हार्मोन हमें बहुत खुशी देता है और हमारा तनाव दूर करता है. इससे हमारी चिंता और मानसिक परेशानी कम हो जाती है.

आत्म–सम्मान बढ़ाए

डांस करने से हम अपने शरीर को और अच्छे से समझने लगते हैं और खुद में विश्वास बढ़ता है. जब हम डांस के नए कदम सीखते हैं और उनमें अच्छे होते जाते हैं, तो हमें खुद पर गर्व महसूस होता है. यह हमें खुशी देता है और हमारा आत्म–सम्मान बढ़ता है.

खुशी महसूस करें

जब हम डांस करते हैं, हमारा शरीर खुशी के हार्मोन, जैसे एंडोर्फिन, छोड़ता है. ये हार्मोन हमें बहुत खुश और ऊर्जावान महसूस कराते हैं. इससे हमारा मूड अच्छा होता है और हम तनाव से मुक्त महसूस करते हैं. डांस हमें खुशी और हल्कापन देता है.

दोस्त बनाएं

जब आप डांस क्लास में जाते हैं या किसी समूह में डांस करते हैं, तो आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है. इससे आप खुद को कम अकेला महसूस करते हैं. नए लोगों से मिलने और उनके साथ डांस करने से आपको खुशी मिलती है और आपका समय भी अच्छा गुजरता है.एक्टिव रहें डांस एक मजेदार शारीरिक कसरत है जो हमें चुस्त दुरुस्त रखती है. यह हमारे शरीर को सक्रिय बनाता है और हमें फिट रखता है. साथ ही, डांस हमारे मन को भी खुश रखता है. इससे हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ

शैतान का नया पोस्टर जारी, आमने–सामने दिखे अजय देवगन और आर माधवन

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।शैतार 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।अब इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म के पहले गाने से जुड़ी महत्तवर्पूण जानकारी साझा की है।शैतान के पहले गाने का नाम ऐसा मैं शैतान होगा, जो 29 फरवरी को जारी किया जाएगा। फिल्म का नया पोस्टर भा सामने आया है।

सामने आए पोस्टर में अजय और माधवन आमने–सामने दिख रहे हैं।जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर फिल्म का नया पोस्टर और पहले गाने से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए लिखा, अब रहेगा खौफ सिर्फ शैतान का। ऐसा मैं शैतान 29 फरवरी को पैनोरमा म्यूजिक यूट्यूब चौनल पर रिलीज हो रहा है।

शैतान एक सुपरनेचुरल फिल्म हैं। इस फिल्म में अजय देवगन शैतानी शक्तियों से लड़कर अपने परिवार को बचाते हुए नजर आएंगे। मूवी में आर माधवन निगेटिव रोल निभा रहे हैं। खतरनाक टीजर के बाद अजय देवगन ने एक बार फिर शैतान की झलक दिखाई है।

इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा का जानी–मानी अभिनेत्री ज्योतिका भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।विकास बहल निर्देशित शैतान का टीजर कुछ समय पहले ही रिलीज किया गया था, जिसमें अजय और ज्योतिका से ज्यादा ध्यान माधवन ने खींचा था। उनका खतरनाक विलेन रोल किसी की भी रूह कंपाने के लिए काफी है। मूवी 8 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

खास बात यह है कि अजय देवगन इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह इसके निर्माता भी हैं। उन्होंने ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक के साथ मिलकर इस सुपरनेचुरल मूवी का निर्माण किया है।

शैतान के अलावा अजय देवगन कई और मच अवेटेड फिल्मों में धमाल मचाने वाले हैं। उनकी

फिल्मों की लिस्ट में सिंघम अगैन, रेड 2, मैदान और तब्बू के साथ औरों में कहां दम था जैसी फिल्में शामिल हैं।

बॉक्स आफिस आर्टिकल 370 की कमाई की रफ्तार हुई कम,विद्युत जामवाल की क्रैक की हवा टाइट

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जंभाले के निर्देशन में बनी फिल्म आर्टिकल 370 को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।इसमें यामी गौतम मुख्य भूमिका में हैं, जिन्होंने एक इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाया है। फिल्म में उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हो रही है।शायद यही वजह है कि आर्टिकल 370 का देश में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी खूब डंका बज रहा है।अब फिल्म की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े सामने आ चुके हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, आर्टिकल 370 ने रिलीज के पांचवें दिन 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 29.40 करोड़ रुपये हो गया है।आर्टिकल 370 ने टिकट खिड़की पर 5.9 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल आया और इसने दूसरे दिन 7.4 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 9.6 करोड़ रुपये कमाए।चौथे दिन यह फिल्म 3.25 करोड़ रुपये बटोरने में सफल रही।आर्टिकल 370 को देश ही नहीं, दुनियाभर में खूब प्यार मिल रहा है। दुनियाभर में इस फिल्म ने 35 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।यह फिल्म जम्मू कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के दौरान आईं चुनौतियों से रूबरू कराती है।इसमें अरुण गोविल, प्रियामणि, किरण कारमकर सहित कई कलाकार अहम किरदारों में नजर आए हैं।फिल्म का निर्माण यामी के पति और निर्देशन आदित्य धार ने किया है। आदित्य दत्त के निर्देशन में बनी फिल्म क्रैक जीतेगा तो जिएगा में विद्युत जामवाल और नोरा फतेही की जोड़ी बनी है, जिसे पहली बार देखा जा रहा है।फिल्म की कहानी

एक्शन के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर है। बावजूद इसके यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। फिल्म शुरुआत से दर्शकों के लिए तरस रही है।क्रैक की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसे जान आपको झटका लग सकता है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, क्रैक ने अपनी रिलीज के पांचवें दिन (मंगलवार) 1 करोड़ रुपये का कारोबार किया।इसी के साथ अब फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 10.70 करोड़ रुपये हो गया है।क्रैक ने बॉक्स ऑफिस पर 4.25 करोड़ रुपये के साथ धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन इस फिल्म ने 2.15 करोड़ रुपये कमाए।तीसरे दिन यह फिल्म 2.3 करोड़ रुपये और चौथे दिन 1 करोड़ रुपये समेटने में सफल रही। क्रैक का निर्माण विद्युत ने अपने होम प्रोडक्शन एक्शन हीरो फिल्म्स के तहत किया है। इस फिल्म में अर्जुन रामपाल और एमी जैक्सन जैसे सितारे भी हैं।क्रैक को लगभग 45 करोड़ रुपये की लागत मे बनाया गया है।

बड़े मियां छोटे मियां का मस्त मलंग झूम हुआ रिलीज, सोनाक्षी संग झूमते नजर आए अक्षय–टाइगर

बॉलीवुड एक्टर्स अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का दूसरा गाना मस्त मलंग झूम अब रिलीज हो गया है. यह फुट–टैपिंग और कैची नंबर में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ थिरकते नजर आ रह हैं. इस गाने को अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और निखिता गांधी ने अपनी आवाज दी है जिससे गाना और भी अच्छा लग रहा है. इस गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है, जबकि इरशाद कामिल ने इसके बोल लिखे हैं। इस गाने को अक्षय कुमार ने शेयर किया है.

काफी दिनों से अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के गानों का फैंस को इंतजार था जो अब लगभग पूरा होने वाला है. क्योंकि ईद अप्रैल 2024 को ये फिल्म रिलीज होगी. फिल्म देखने से पहले आपको इस फिल्म का गाना देखना चाहिए जो काफी मस्तीभरा है.

मस्त मलंग झूम गाना बड़े मियां छोटे मियां के साउंडट्रैक के अलावा एक और फुट–टैपिंग का एडिशन है. इस गाने को दो लीड्स के बीच की एनर्जी और केमिस्ट्री को बेहतरीन दिखाता है. अक्षय ने इसे शेयर करते हुए लिखा, मस्त एनर्जी, बीट्स–मलंग, ग्रूव–झूम. ये टाइम है मस्त मलंग झूम के बीट पर डांस करने का. बड़े मियां छोटे मियां ईद पर रिलीज होगी.इस गाने में जहां आप टाइगर श्रॉफ का एनर्जी लेवल काफी अलग देखेंगे वहीं अक्षय कुमार भी अपने यंग को–स्टार को एनरजेटिक स्टेप्स दिखाते नजर आ रहे हैं। इस गाने में आप अक्षय–टाइगर का ब्रोमांस भी देख सकते हैं. बहुत जल्द फैंस की जुबां पर ये गाना चढ़ सकता है और लोगों को इसके कैची मूव्स दीवाना बना सकता है। पूजा एंटरटेनमेंट और एएजेड फिल्म्स ने फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का निर्माण किया है वहीं इस फिल्म को अली अब्बास जफर डायरेक्ट किया है. ये फिल्म इस ईद रिलीज होगी लेकिन निर्धारित डेट नहीं बताई गई है। इस फिल्म में अक्षय और टाइगर के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा, मानुषी छिल्लर, अलाया एफ और रोनित रॉय भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे.

तेरा क्या होगा लवली का फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ रिलीज, रणदीप हुड्डा और करण कुंद्रा, इलियाना डिक्रूज लीड रोल में आएंगे नजर

फिल्म तेरा क्या होगा लवली का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया है. इस फिल्म में करण कुंद्रा, रणदीप हुड्डा और इलियाना डिक्रूज मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म 8 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज. होने वाली है. फिल्म का टाइटल और पोस्टर देखकर ऐसा लगता है कि फिल्म में कॉमेडी की भरमार होने वाली है. फिल्म में रणदीप पुलिस के किरदार में नजर आएंगे, जिसमें आपको पैसों की होरा फेरी भी देखने मिलेगी. बलविंदर सिंह जनजुआ द्वारा डायेरेक्टेड यह फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में

दस्तक देगी. यह फिल्म रणदीप और इलियाना के बीच अभिनेताओं के रूप में पहली बार जुड़ाव को चिह्नित करती है, और दिखाती है कि सांवली त्वचा वाली लड़की, जो सामाजिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त है, गोरी त्वचा के साथ समाज के जुनून की समस्या को दूर करने के लिए क्या करती है. इलियाना डिक्रूज ने कहा, मेरा मानना है कि ऐसी फिल्में जो आपको हंसा सकती हैं और एक मजबूत संदेश भी छोड़ सकती है और ऐसी ही हमारी फिल्म तेरा क्या होगा लवली है. हमारे निर्देशक बलविंदर सिंह के साथ सोनी पिक्च र्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस की पूरी टीम जांजुआ दर्शकों को पहली बार फिल्म का अनुभव कराने के लिए उत्साहित हैं. मूवी टनल प्रोडक्शंस के सहयोग से सोनी पिक्च र्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, तेरा क्या होगा लवली 8 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

कियारा आडवाणी डान 3 में लगाएंगी एक्शन का तड़का, रणवीर सिंह के साथ जमेगी जोड़ी

डॉन 3 के निर्माता, रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने कल एक बड़ी घोषणा की तरफ इशारा करते हुए दर्शकों को बड़ा सरप्राइज दिया है, जी हां दर्शकों के बीच उत्साह की लहर देखने मिल रही है.डॉन 3 की लीड एक्ट्रेस और कोई नहीं बल्कि कियारा आडवाणी हैं. इसका ऐलान एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से किया है. कियारा आडवाणी, जो अपनी अदाएं और प्रभावशाली एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं, अब वह डॉन की दुनिया में एक्शन का तड़का लगाने वाली हैं.

इस उत्साह को और भी बढ़ाते हुए फैंस कियारा और रणवीर सिंह के बीच की केमिस्ट्री और ऑन स्क्रीन प्रेजेंस को साथ में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं. बता दें कि दोनो स्टार्स अपने क्राफ्ट में बेहतरीन हैं और ऑन स्क्रीन अपनी चमक बिखेरने के लिए मशहूर हैं. ऐसे में अब जब दोनो पहली बार साथ आए हैं, यह कहा जा सकता है कि यह फ्रेश जोड़ी कभी न मिटने वाली छाप छोडने के लिए तैयार है.

फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित, डॉन 3 एक और एड्रेनालिन से भरपूर इंस्टॉलमेंट का वादा करती है. साथ ही यह फिल्म एक शानदार सिनेमाई सफर के लिए प्लेटफॉर्म सेट करती है. फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी को एक्सेप्शनल प्रोजेक्ट रेकॉर्ड के लिए जाना जाता है. ऐसे में वे इस आइकॉनिक फ्रेचाइजी के लिए एक शानदार सिनेमाई अनुभव देना का वादा करते हैं.

बाक्स आफिस पर फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कमाई तीसरे सप्ताह में भी जारी

अमित जोशी और आराधना शाह के निर्देशन में बनी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कहानी रोबोट और इंसान की प्रेम कहानी के इर्द–गिर्द बुनी गई है। फिल्म में शाहिद कपूर ने आर्यन नाम के इंसान तो कृति सैनन सिफरा नाम की एक रोबोट बनी हैं। हालांकि, लोगों को यह कहानी कुछ रास नहीं आई। पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अब इसका दैनिक कारोबार लाखों में सिमट चुका है।अब तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कमाई के 19वें दिन के आंकड़े सामने आए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे गुरुवार 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 75.40 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में यह फिल्म अभी तक 129.13 करोड़ रुपये कमा चुकी है।टिकट खिड़की पर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का सामना क्रैक, फाइटर और आर्टिकल 370 से हो रहा है।

तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में डिंपल कपाडिया और धर्मेंद्र जैसे दिग्गज सितारे भी हैं, वहीं जाह्नवी कपूर ने मेहमान की भूमिका निभाई है। फिल्म के

निर्माता दिनेश विजान हैं।रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर मार्च के अंत तक हो सकता है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

आयशा खान फिल्म लकी भास्कर में हुईं शामिल, दलकीर सलमान के अपोजिट आएंगी नजर

रियलिटी शो बिग बॉस के नवीनतम सीजन में धमाल मचाने वाली अभिनेत्री आयशा खान मलयालम स्टार दुलकर सलमान के साथ उनकी आगामी फिल्म लकी बस्कर में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म, जो तेलुगु सिनेमा से संबंधित है, को एक मनोरंजक फिल्म के रूप में देखा जाता है, और हाल ही में इसका पहला लुक इंस्टाग्राम पर जारी किया गया था। नए विकास के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, मुझे अपने दक्षिण–भारतीय प्रशंसकों से जो प्यार मिलता है वह जबरदस्त है और यह कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। मैं हमेशा खुद को बेहतर करने के लिए प्रेरित करना चाहता था और इस प्रक्रिया में दुलकर सलमान से बेहतर कौन हो सकता है। दुलकर ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी कला की मैंने हमेशा प्रशंसा की है। उन्होंने आगे कहा, मैं फिल्म में अपनी विशेष भूमिका के लिए बहुत उत्साहित हूं। केकी सर के निर्देशन में प्रदर्शन करना और इतनी अच्छी टीम का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

एरिका फर्नांडिस ने दरिया किनारे लगाई आग, टीवी एक्ट्रेस ने फ्लोरल बिकनी में शेयर की हाट तस्वीरें

एक्ट्रेस एरिका फर्नांडीस बोल्डनेस के मामले में बॉलीवुड की हसीनाओं को मात देती हैं। एरिका छोटे पर्दे की हॉट एक्ट्रेसेस में से एक हैं। हमारी इस बात से उनके फैंस भी सहमत होंगे। सोशल मीडिया पर आए दिन उनकी तस्वीरे तहलका मचा देती हैं।

टीवी इंडस्ट्री की जानी–मानी अदाकारा एरिका फर्नांडिस ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ बेहद धमाकेदार तस्वीरें शेयर की हैं. एरिका फर्नांडिस ने फ्लोरल बिकनी पहनी है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और समंदर किनारे सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई कर रही हैं. वह बिकिनी पहन कातिलाना अदाओं से पानी में आग लगाती दिख रही हैं।

उनका किलर फिगर देख आपकी सांसे थम जाएंगी। एरिका की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस के फैंस उनकी खूबसूरती की तारीफ करते नही थक रहे हैं.एरिका फर्नांडिस ने कई टेलीविजन शोज में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता है.उनकी इस बोल्ड तस्वीरों के साथ वायरल होने से यह स्पष्ट हो रहा है कि वे अपनी फैंस को हमेशा अपडेट करती रहती हैं.

सोनम बाजवा ने तीन साल तक गुपचुप तरीके से एक पायलट से कर चुकी हैं शादी ? नेटिजेंस ने खोजे सबूत

रेडिट पर एक नेटिजन का दावा है कि सोनम बाजवा ने तीन साल से गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। सोशल मीडिया पर हैरानी जताई जा रही है कि वह अपनी शादी को क्यों छुपाएंगी सोनम बाजवा पूरे भारत की सबसे पंजाबी अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनके पास शानदार लुक और करिश्मा है और उनकी झोली में कई अच्छी फिल्में हैं। सोनम बाजवा का नाम कुछ समय पहले शुबमन गिल से जुड़ा था जब वह उनके शो पर आए थे। उसने कहा कि वह सिर्फ एक दोस्त है। शो में उन्होंने श्साराश पर कमेंट कर तहलका मचा दिया था। 34 साल की सोनम बाजवा अपने फैशनेबल लुक से सोशल मीडिया पर भी काफी पॉपुलर हैं। पिछले कुछ सालों में उनसे उनकी शादी के बारे में पूछा जाता रहा है। अब त्मककपज पर एक नेटिजन्स ने दावा किया है कि वह वास्तव में पिछले तीन वर्षों से शादीशुदा है। क्या सोनम बाजवा ने दिल्ली के पायलट से की है शादी? रेडिट पर किसी ने दावा किया है कि उसकी कथित तौर पर तीन साल से रक्षित अग्निहोत्री नाम के पायलट से शादी हुई है। ऐसा लगता है कि वे एक साथ एक कंपनी के मालिक भी हैं। सोनम बाजवा और रक्षित ने कथित तौर पर 2020 में लॉकडाउन के दौरान शादी कर ली। इसे पढ़ने के बाद, कई नेटिजन्स ने कहा कि उनके दोस्तों का दिल टूट जाएगा। सोनम बाजवा को कई लोग पसंद करते हैं और यह

खबर दिलों को तोड़ सकती है। पंजाबी अभिनेता अपनी निजी जिंदगी को लेकर इतने गुप्त क्यों रहते हैं? नेटिजन्स ने बताया कि कैसे पंजाबी अभिनेता और अभिनेत्रियाँ प्रेस के साथ व्यक्तिगत विवरण साझा नहीं करते हैं। दिलजीत दोसांझ ने जाहिर तौर पर अमेरिका में एक बच्चे के साथ शादी कर ली है। लेकिन वह कभी भी अपने परिवार को किसी भी बातचीत में नहीं लाते। ऐसा लगता है कि वह उन्हें नकारात्मकता से बचाना चाहते हैं। यहां तक कि गुरनाम भुल्लर ने भी अचानक शादी कर ली। हमें नहीं पता कि सोनम बाजवा इस अफवाह या जानकारी का खंडन करेंगी या नहीं। पिछले दिनों रक्षित अग्निहोत्री की कुछ तस्वीरों ने यूट्यूब चौनल पर अपनी जगह बनाई थी। सोनम बाजवा की नजर बॉलीवुड में करियर बनाने पर है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 01 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

स्पोर्ट्स कालेज गोरखपुर, मेरठ ,वाराणसी की टीम सेमीफाईनल में पहुंची

ब्यूरो देवरिया

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले एमे 29 फरवरी को उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के सौजन्य से जिला खेल कार्यालय देवरिया एवं हॉकी देवरिया द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय ओपेन महिला आमंत्रण हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है आज तीसरा दिन प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ शातनु जायसवाल,एवं डा मो0 आरिफ उपस्थित रहे । इस अवसर पर मुख्य अतिथि को राज नारायण प्रसाद क्रीड़ाधिकारी देवरिया एवं अकरम सिद्दकी ने बुके, देकर स्वागत किया। इस अवसर पर अब्दुल अहद सहायक प्रशिक्षक,दिवाकर मणि त्रिपाठी, अवधेश यादव,लालू सिंह यादव,अशोक कुमार सिंह विकास मिश्रा कदीर आलम ,सुरेश कुमार,जफर मंसूर,सोहेल खान,सुनील सिह शकील अहमद, मनोज कुशवाहा ,महन्त सिंह,असलम अली,मो0 इमरान सतोष यादव,गौरव त्रिपाठी,एहतेशाम सिद्दकी,रवि कन्नौजिया आदि लोग उपस्थित थे। संचालन गिरीश ने किया। पहला मैच सहारनपुर बनाम पीलीभीत के बीच खेला गया ,जिसमें दोनो टीमों के तरफ से एक भी गोल न होने के कारण मैच बराबरी पर रहा।दूसरा मैच शाहजहापुर बनाम मेरठ के बीच खेला गया जिसमें मेरठ की टीम ने 13– 0 के अन्तर से विजेता रही। मेरठ की तरफ से महक ने 13 वे,27वे,31वे,37वे,55वे मिनट में 5गोल, नीशू ने 4वे 25वे मिनट में 2 गोल, मानसी ने 7वे 9वे,16वे,29वे,47 वे मिनट 6 गोल कर जीत दिलाई। तीसरा मैच झॉसी बनाम वाराणसी के मध्य खेला गया जिसमें झॉसी की टीम 1–0 अन्तर से विजेता रही। झॉसी की तरफ से अनुष्का 4 वे मिनट में एक गोल कर टीम को जीत दिलाई।चौथा मैच देवरिया बनाम सहारनपुर के मध्य खेला गया जिसमें देवरिया की टीम ने 8–0 के अन्तर से विजेता रही । देवरिया की तरफ से कोमल ने 6वे 36 वे मिनट में 2गोल,श्रेयाशी ने 8वे और 52 वे मिनट में 2 गोल,खुशी ने 29वे,व 37 वे मिनट में 2गोल,कंचन ने 18वे,व 53वे, मिनट 2 गोल कर टीम को जीत दिलाई। पॉचवा मैच प्रयागराज बनाम शहजहानपुर के मध्य खेला गया जिसमें प्रयागराज की टीम 6–0 विजेता रही, प्रयागराज की टीम की तरफ से तब्सुम ने 1वे 4 वे मीनट में दो गोल,मानसी ने 23 वे मीनट में 1 गोल,प्रिसी यादव ने 29वे ,व 37 वे मीनट में 2 गोल,अतिमा ने 59 वे मीनट 1 गोल कर टीम को जीत दिलाई। छठवा मैच पीलीभीत बनाम मऊ के मध्य खेला गया जिसमे दोनो टीम 1–1 के बराबरी पर रही।पीलीभीत की तरफ से गजाला ने 3वें मीनट व मऊ की तरफ से प्रियका ने 19 वे मीनट में 1 गोल कर टीम को बराबरी दिलाई ।सातवा मैच झासी बनाम मेरठ के मध्य खेला गया जिसमें मेरठ ने की टीम 2–0 से विजेता रही। मेरठ की तरफ से मानसी ने 32 वे, व 46 वे मीनट में 2 गोल कर टीम को जीत दिलाई, आठवॉ मैच प्रयागराज बनाम वाराणसी के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की टीम 3–2 के अन्तर से विजेता रही। वाराणसी के तरफ से 2 वे मीनट में सेमोन ने ,7 वे मीनट में प्रीति 37 वे मीनट में विभा ने गोल किया प्रयाग राज के तरफ से 22 वे मीनट में प्रिसी ,34 मीनट में प्रियका ने गोल किया। नौवा मैच देवरिया बनाम स्पो0कालेज गोरखपुर के मध्य खेला गया जिसमें स्पोटस कालेज गोरखपुर 1–0 से विजेता रही। गोरखपुर की आरिका ने 33 वे मीनट में 1 गोल कर जीत दिलाई। निर्णायक की भूमिका में अविनाश श्रीवास्तव टूर्नामेंट डायरेक्टर, मनोज कुमार कुशवाहा, मो जियाउरहमान ,मनीष द्विवेदी,नेहा सिंह, रश्मि सिंह, परवेज अख्तर, शबनम, शकील अहमद रहे।

रोजगार मेले का किया गया आयोजन

ब्यूरो देवरिया

देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे विकास खण्ड परिसर बरहज, देवरिया में दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना अंतर्गत उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विकास खण्ड स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले का उघ्द्घाटन ब्लॉक प्रमुख सुभाष प्रसाद के द्वारा किया गया। ब्लॉक प्रमुख द्वारा रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाले युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज जो नौकरी आपको रोजगार मेले के माध्यम से मिल रही है उसको अवश्य ज्वाईन करे एवं जो युवा नौकरी के बजाय स्वरोजगार करना चाहते है वे सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं से अपना स्वरोजगार स्थापित कर अन्य युवाओ को भी रोजगार प्रदान कर सकते है तथा मेले में चयनित अभ्यर्थियो को नियुक्ति पत्र वितरित किए। रोजगार मेले में 205 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया एवं रोजगार मेले में उपस्थित 05 कंपनियों द्वारा मेले में प्रतिभाग करने वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लेकर 102 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। मेले में प्लेसमेन्ट अधिकारी राजकीय देवरिया दिनेश चन्द्र दीक्षित, जिला कौशल प्रबंधक उपेन्द्र सिंह चौहान तथा राजेश यादव, आलोक कुमार पाण्डेय, आदि उपस्थित रहे।

इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर के उच्चीकरण के संबंध में गहन चर्चा

प्रयागराज (आरएनएस)। महाकुंभ 2025 में भीड़ प्रबंधन तथा सिक्योरिटी एवं सर्विलेंस को और बेहतर बनाने के दृष्टिगत इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर के उच्चीकरण के संबंध में मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता एवं मेला अधिकारी कुंभ मेला विजय किरन आनंद की उपस्थिति में आयुक्त कार्यालय स्थित त्रिवेणी सभागार में बैठक संपन्न हुई जिसमें आई ट्रिपल सी के उच्चीकरण से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। आई ट्रिपल सी के उच्चीकरण के संबंध में आईआईटी कानपुर से वेटिंग कराई गई थी जिसके पश्चात उनके द्वारा दिए गए टेक्निकल ऑब्जरवेशन को सम्मिलित करते हुए उच्चीकरण का प्रस्ताव बनाया जा रहा है। कुंभ 2019 के सापेक्ष महाकुंभ 2025 में मेला क्षेत्र में लगभग 2 गुना कैमरे लगाने का प्रस्ताव बनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत लगभग 950 कैमरों से पूरे मेला क्षेत्र को कवर किया जाएगा। इसमें 120 पार्किंग लाट्स भी सम्मिलित रहेंगे। कैमरों से बेहतर फीड लेने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस्ड वीडियो एनालिटिक्स का प्रयोग किया जाएगा जिससे कि बेहतर क्राउड प्रबंधन एनालिसिस की जा सकेगी। इस मॉडल का प्रयोग करके प्रशासन को अधिक भीड़भाड़ वाली जगह से लोगों को स–समय सुरक्षित निकालने तथा अधिक भीड़ भाड़ वाली सड़कों पर भीड़ प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था करने में आसानी होगी। इस मॉडल को फूल प्रूफ बनाने के दृष्टिगत पहले से ही ड्राई रन चलाया जाएगा तथा हर प्रकार की एरर टेस्टिंग की जाएगी ताकि महाकुंभ के दौरान किसी भी तरह की समस्या ना आए।

महाकुंभ में आई ट्रिपल सी में चल रहे कॉल सेंटर का भी विस्तारीकरण किया जाएगा जिसके अंतर्गत 30 से बढ़ाकर उसे 50 सीटर कर दिया जाएगा । इसके अतिरिक्त व्यूइंग केंद्रों को दो से बढ़ाकर चार करने का प्रस्ताव है। आई ट्रिपल सी तथा मॉडर्न कंट्रोल रूम पुलिस लाइन एमसीआर (सीसीसी) के अतिरिक्त झूंसी एवं अरैल क्षेत्र में भी एक–एक व्यूइंग केंद्र बनाए जाएंगे।

जिले के विकास के लिए सभी मिलकर करें काम–मंत्री

रायबरेली(आरएनएस) ।जिला पंचायत सभागार में पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन का आयोजन दो पालियों में किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने किया। जिसमें प्रथम पाली में विकास खंड हरचंदपुर, सतांव और द्वितीय पाली में खीरों एवं बछरावां के जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन में आये हुए पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया गया। सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्रों में अति आवश्यक कार्यों का विवरण लिया गया। जिससे उन कार्यों को एमएलसी निधि, जिला पंचायत अथवा राज्य सरकार से सहयोग करा कर जनपद के समग्र विकास में अपना योगदान दिया जा सके । साथ ही सभी उपस्थित सदस्यों से रायबरेली के सम्पूर्ण विकास में एक साथ मिलकर योगदान व सहयोग देने का आह्वान किया गया। सम्मेलन में जनपद वासियो को अधिक से अधिक सरकारी कार्यों और योजनाओं का लाभ मिल सके इसके लिए एक साथ मिलकर कार्य करने पर चर्चा हुई। सभी पंचायत प्रतिनिधियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश के विकास पर भी चर्चा की गयीं। सम्मेलन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अपने–अपने क्षेत्र के विकास कार्यो के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा भी की।

टूटे रेलवे पुल को लेकर व्यापार मंडल ने किया प्रदर्शन

लालगंज,रायबरेली(आरएनएस)। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के रायबरेली आगमन की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिला अध्यक्ष रोहित सोनी ,जिला उपाध्यक्ष मृत्युंजय वाजपेई ,जिला महामंत्री अप्पू शर्मा, कोषाध्यक्ष दीप चंद्र गुप्ता, नगर महामंत्री शिवम गुप्ता, अर्पित गुप्ता, कौशलेंद्र सोनी ,शीलू त्रिवेदी ने लालगंज बाईपास पर टूटे रेलवे ओवर ब्रिज के पास जाकर प्रदर्शन किया और कहा कि भले ही केंद्रीय मंत्री रायबरेली को सौगात देने आ रहे हैं लेकिन लालगंज में टूटा हुआ पुल केंद्र सरकार के विकास को मुंह चिढ़ा रहा है। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने कहा कि 2018 में प्रधानमंत्री जी ने रेल कोच पहुंचकर एक बड़ी रैली के जरिए फतेहपुर रायबरेली नेशनल हाईवे और रेलवे ओवर ब्रिज का लोकार्पण किया था। 8 माह के बाद ही पुल में दरार आने के चलते रेलवे ने बाईपास से आवागमन बंद कर दिया था ।तब से आज तक रेलवे ओवर ब्रिज टूटा पड़ा है जबकि क्षेत्र वासियों को टोल देना पड़ रहा है ।उन्होंने कहा कि हम लोग रायबरेली जाकर केंद्रीय मंत्री को रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के बाबत ज्ञापन सौंपेंगे और जल्द से जल्द निर्माण की मांग करेंगे।

छेड़छाड़ का केस दर्ज

ऊंचाहार,रायबरेली(आरएनएस) ।कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में दलित युवती के साथ छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने सलोन थाना क्षेत्र के बुजुर्ग के विरुद्ध सम्बंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।कोतवाली क्षेत्र के एक गॉव निवासी महिला का कहना है कि बुधवार को पड़ोसी के घर में सलोन थाना क्षेत्र का एक बुजुर्ग आया था, उसकी 20 वर्षीय बेटी देर रात नित्य क्रिया के लिए दरवाजे निकली थी, तभी आरोप है कि बुजुर्ग ने उसे पकड़कर छेड़छाड़ शुरू कर दी,बेटी के शोर मचाने पर वो पड़ोसी के घर में घुस गया।गुरुवार को महिला ने कोतवाली पहुंचकर केस दर्ज कराया है।कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सलोन थाना क्षेत्र के रोहनियां निवासी रमेश विश्वकर्मा के विरुद्ध संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

अतीक गैंग के गुर्गे निजाम एवं भू–माफिया राहुल यादव पर मुकदमा हुआ दर्ज

प्रयागराज(आरएनएस)। इतना कुछ बीत जाने के बाद भी माफिया अतीक अहमद के गुर्गे अभी जमीनों पर कब्जा करने में कोताही नहीं बरत रहे। ऐसा ही एक मामला धुमनगंज थाना क्षेत्र में आया है जहां पीड़ित ने अतीक अहमद के गुर्गों निजाम और राहुल के साथ ही कई अन्य लोगों पर भी मुकदमा दर्ज कराया है।पीड़ित खलील उर रहमान पुत्र इसहारूल हक निवासी 751 बी नीम सराय थाना धूमनगंज के अनुसार उसका प्लाट संख्या 210 ध्14 का जुज भाग 204 वर्ग गज मौज चक मैदा पट्टी सदर प्रयागराज में है। जिस पर पीड़ित के भाइयों ने बाउंड्री कर कर अंदर कमरा बना रखा हैं और उसमें रह रहे हैं, उक्त प्लाट को पीड़ित की माँ नूरजहाँ बेगम पत्नी इजहरुल हक के नाम दिनांक 3ध्7ध्2006 को खालिदा फारूकी निवासी 3ध्11 अल्लाह पूरी कॉलोनी सदर प्रयागराज से क्रय किया था जो राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। प्रार्थी की माँ की मृत्यु के बाद प्रार्थी एवं प्रार्थी के भाइयों के नाम उक्त बतौर वारिस दर्ज हो गया। उक्त संपत्ति पर निजमुलुल्ला जो आतंक का पर्याय रहे अतीक गैंग के सदस्य तोता का बहनोई है, तथा राहुल यादव, नूर मुजफ्फर, रेहान मोहम्मद इमरान, मोहम्मद शाबान एवं राजन पासी की नजर थी जो भू– माफिया है। किसी की भी संपत्ति पर कूटरचित दस्तावेज तैयार करना व कब्जा करना इनका पेशा है। इन लोगों के नाम पहले से ही कई अलग–अलग थानों में केस दर्ज है। इन लोगों ने फर्जी पेपर तैयार कर प्रार्थी के संपत्ति को अपनी चौहद्दी दिखाते हुए आराजी संख्या 210ध्1 के नाम से फर्जी बनाना नूर मौजा निजामुल्ला, राहुल यादव व राजन पासी सेआपराधिक षड्यंत्र करके प्रार्थी की भूमि भवन को फर्जी बैनामा करा लिया और प्रार्थी के भूमि भवन को बेचने का प्रयास करने लगे। 31 अक्टूबर 2022 को उपरोक्त भूमाफिया प्रार्थी के मकान के गेट व कमरे का ताला तोड़कर घुस गए और अवैध रूप से मकान पर कब्जा करने का प्रयास किया और कमरे में रखा सारा सामान लूट ले गए। राहुल यादव और निजामुल्ला ने कहा कि जब तक 10 लाख रुपए गुंडा टैक्स नहीं दोगे इस मकान में नहीं रह पाओगे। ज्यादा बोलोगे तो जान से मार दिए जाओगे। प्रार्थी ने इस बात की शिकायत पुलिस विभाग के आल्हा अधिकारियों से किया लेकिन थाना अध्यक्ष से लेकर पुलिस कमिश्नर तक कोई सुनवाई जब नहीं हुई। परेशान होकर थक हार कर प्रार्थी न्यायालय में न्याय से गुहार लगाई। न्यायालय ने उपरोक्त प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए उपरोक्त आरोपियों पर धारा आईपीसी 147 /148 /149 /323/ 452/392/386 504 /506/ 409 ध्420 ध्467 ध् 468/471 एवं 120–बि के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

बेर तोड़ने के विवाद में महिला को पीटा

बछरावां,रायबरेली(आरएनएस) ।क्षेत्र के सब्जी गांव में बच्चे के बेर तोड़ने के विवाद ने बड़ा रूप ले लिया। इस मामले में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष को लाठी डंडों से घर में घुसकर पीट दिया । मारपीट के इस मामले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है ।सब्जी गांव की रहने वाली राजकुमारी पत्नी राजेश ने थाने पर तहरीर दी है, कि घर के बगल में कुछ बच्चे पेड़ से बेर तोड़ रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बच्चों को वहां से जाने के लिए कहा। थोड़ी देर बाद सोहनलाल ,पिंटू तथा रेशमा उनके घर पर जाकर उनके पुत्री खुशबू को मारने पीटने लगे। खुशबू को बचाने के लिए गांव की ही ललिता आ गई। इसी दौरान सोहन लाल ने ललिता को लाठी डंडों से पीट दिया। जिससे उसे गंभीर चोटे आ गई ।इस बारे में थाना अध्यक्ष वृजेन्द्र शर्मा ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है। रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जाएगी

वाहन की टक्कर से पिता व पुत्री घायल

बछरावां,रायबरेली(आरएनएस) ।क्षेत्र के बांदा बहराइच मार्ग पर गुरुवार शाम 5 बजे अघौरा गांव निवासी सुखराम (52) पुत्र देवता दीन अपनी पुत्री ममता (23) को लेकर साइकिल से खेतों की ओर जा रहे थे । तभी लालगंज की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने टक्कर मार दी, जिसमें पिता और पुत्री दोनों गंभीर घायल हो गए ।राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर पिता पुत्री की हालत गंभीर देखते हुए ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। वही स्विफ्ट कार मौके से टक्कर मार कर फरार हो गई। थाना प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने बताया कि कार की तलाश की जा रही है, तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी

राजेश केसरवानी बने सहायक महामंत्री

प्रयागराज(आरएनएस)। महानगर केसरवानी वैश्य सभा प्रयागराज की बैठक महानगर अध्यक्ष राजेंद्र केसरवानी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में तय हुआ कि आगामी 6 अप्रैल को केसरवानी परिचय सम्मेलन एवं होली मिलन समारोह का कार्यक्रम स्थान राम वाटिका में शयनकल 6रू00 बजे से होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राजेश केसरवानी निवासी मुट्ठीगंज को सहायक महामंत्री का दायित्व सर्वसम्मति से सौंपा गया। बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सतीश चंद्र केसरवानी ने कहा कि केशरवानी समाज को के प्रदेश सरकार पिछड़े वर्ग में शामिल करें क्योंकि केशरवानी समाज आर्थिक राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ है। प्रदेश महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार से आरक्षण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड अभियान चालू है जो पूरे प्रदेश में चल रहा है। जल्दी एक निर्धारित तिथि लागू की जाएगी जिसमें मुख्यमंत्री को एक साथ पोस्टकार्ड ज्ञापन सोपा जाएगा। उक्त बैठक में सर्व रामचंद्र गुप्ता, सुरेश केसरवानी, योगेंद्र केसरवानी राजेश केसरवानी, लक्ष्मण केसरवानी, श्रीकांत केसरवानी, दिनेश केसरवानी, धर्मेंद्र केसरवानी आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल प्रयागराज के जिला अध्यक्ष पद पर अरूण केसरवानी नियुक्त

सूरज सोनकर मनोनीत हुए महामंत्री

प्रयागराज(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के माननीय अध्यक्ष पूर्व राज्यसभा सांसद बनवारी लाल कंछल ने जिला प्रयागराज के जिला अध्यक्ष पद पर अरूण केसरवानी वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रयाग व्यापार मंडल को सर्वसम्मति से नियुक्त किया। इससे पहले इस पद पर मोहम्मद कादिर थे जो की संगठन के प्रति विश्वशनीय कार्य नहीं किया करते थे। उनकी कार्यशैली संदेहास्पद बनी रहती थी जिनको प्रदेश नेतृत्व ने कुछ दिन पहले ही जिलाध्यक्ष पद से हटा दिया था।महामंत्री जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल प्रयागराज के पद पर सूरज सोनकर को मनोनीत किया गया है जो की झूंसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष है और प्रयाग व्यापार मंडल से संबद्ध है।अरूण केसरवानी एवं सूरज सोनकर को प्रदेश नेतृत्व द्वारा इस पद पर नियुक्त किए जाने पर प्रयाग व्यापार मंडल के समस्त पदाधिकारीयों की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष को और समस्त प्रदेश के पदाधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद प्रेषित करते हुए आपार आभार प्रकट किया गया और अरूण केसरवानी एवं सूरज सोनकर को हार्दिक बधाई भी दिया गया। प्रयाग व्यापार मंडल से संबद्ध इकाइयों की तरफ से भी खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी गई जिसने मुख्य रूप से बमरौली व्यापार मंडल, मुंडेरा व्यापार मंडल, प्रीतम नगर व्यापार मंडल, सुलेमसराय व्यापार मंडल, झल्वा व्यापार मंडल , राजरूपपुर व्यापार मंडल, चकिया चक निरातुल व्यापार मंडल, लूकर गंज व्यापार मंडल, हिम्मत गंज व्यापार मंडल, खुल्दाबाद व्यापार मंडल, रोशन बाग व्यापार मण्डल, बड़ी स्टेशन व्यापार मंडल, लीडर रोड व्यापार मण्डल, प्रयाग अग्रहरी वैश्य समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रहरि द्वारा भी हर्षोल्लास से बधाई दी गई।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि
मंडल द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार प्रयागराज जिले के संपूर्ण स्थान गंगापार यमुनापार सभी जगह पर संगठन को मजबूत बनाने में पूरा अधिकार दे दिया गया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर हम सबको गर्व है– प्रो. गिरी

राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा गोष्ठियों का आयोजन

प्रयागराज।(आरएनएस) राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा स्वराज विद्यापीठ में आयोजित स्वयंसेवकों के शिविर में बोलते हुए संस्कृत विभाग के प्रो. अनिल प्रताप गिरि ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा पर हम सबको गर्व है। केवल भौतिक विकास से 2047 का भारत नहीं बनेगा। यदि हम 2047 के विलक्षण भारत को बनाना चाहते हैं तो भौतिक के साथ–साथ आध्यात्मिक विकास की दिशा में भी हमें प्रवृत्त होना होगा।

वहीं महिला कॉलेज परिसर में आयोजित स्वयंसेविकाओं के शिविर में बोलते हुए रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. दिनेश मणि ने कहा कि बुराइयों के अवक्षेप को सदभाव का अभिकर्मक मिलाकर दूर किया जा सकता है। विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में सी वी रमन जैसे महापुरुषों से हमें सीखना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ राजेश कुमार गर्ग ने कहा की 2047 के भारत निर्माण के लिए हमें आने वाली दो शताब्दियों तक अनवरत साधना करनी होगी। प्रत्येक नवयुवक और नागरिक को इसमें अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करनी होगी।

प्रोफेसर दिनेश मणि का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. पिंकी, डॉ. रुचि और डॉ. अर्चना ने किया जबकि प्रो. अनिल प्रताप गिरि जी का स्वागत और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शैलेंद्र और डॉ अनूप जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

मनरेगा श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराने में प्रयागराज अव्वल स्थान पर

श्रमिको को रोजगार मुहैया कराना डबल इंजन की सरकार की प्राथमिकता जिले ने 100.14 फीसदी लक्ष्य हासिल किया

प्रयागराज। केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हर हाथ को काम देने के लिए संकल्पित है।

मनरेगा इसके लिए कारगर माध्यम बन रहा हैं। मनरेगा के माध्यम से श्रमिकों को रोजगार देने के अभियान में प्रयागराज जिले ने प्रदेश के सभी जिलों को पीछे छोड़ दिया है।

प्रयागराज के प्रभारी उपायुक्त मनरेगा भोलानाथ कन्नौजिया बताते हैं कि प्रयागराज जिले मनरेगा श्रमिकों को रोजगार मुहैया कराने में प्रदेश में अव्वल स्थान हासिल किया है। मनरेगा श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने में प्रयागराज ने 100.14 फीसदी लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने यह भी बताया है कि यहां रोजगार मांगने वाले हर श्रमिक को काम दिया गया है। एक अप्रैल 2023 से 31 जनवरी तक की प्रगति के आधार पर शासन ने सभी जिलों की रैंक तय की है। इसी आधार पर प्रयागराज को यह उपलब्धि हासिल हुई है।

प्रयागराज में 1,87,715 श्रमिकों ने इस अवधि में रोजगार मांगा था जिसके सापेक्ष जनपद में 1,88, 012 श्रमिकों को रोजगार मिला है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड उत्तर प्रदेश द्वारा जारी विभिन्न जनपदों की सूची में प्रयागराज को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इस सूची के मुताबिक जनपद में एक्टिव जॉब कार्ड की संख्या 2,91,102, सृजित मानव दिवस 82,2 4,2 8 4, रोजगार उपलब्ध कराए गए 1,82,965, अकुशल श्रमिकों पर व्यव घ1,4479.72 लाख रहा है।

प्रभारी उपायुक्त मनरेगा का यह भी कहना है कि इतना ही नहीं ऐसे मनरेगा श्रमिकों को भी रोजगार मिला, जिन्होंने काम नहीं मांगा था।

शासन द्वारा जारी इस सूची में कुशीनगर जिले ने दूसरा स्थान हासिल किया है। जिले ने 100.01 फीसदी लक्ष्य हासिल किया है। वहीं सोनभद्र जिले को तीसरा और बुलंदशहर को चौथा स्थान मिला है। 99.89 फीसदी श्रमिकों को काम मुहैया कराने वाला शामली जिला प्रदेश में सबसे फिसड्डी है।

निशांत के दम पर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन गाजियाबाद सेमीफाइनल में

प्रयागराज(आरएनएस)। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन गाजियाबाद ने रिजवी कप के लिए आयोजित 14वीं आबिश एवं शाकिब रिजवी स्मारक ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के क्वाटर फाइनल मैच में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन सहारनपुर को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत में निशांत ठाकुर के हरफनमौला 36 नाबाद, 35 गेंद, एक चौका, दो छक्के एवं 8 – 1 – 37 – 2) कर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुँचाया है। गुरुवार को रिजवी कॉलेज मैदान पर क्वाटर फाइनल मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन सहारनपुर ने 39.3 ओवर में 220 रन (शोएब सिद्दीकी 77, पृथवी त्यागी 42, दीपक राणा 34, यासिर खान 12 रन, ओजेशव त्यागी 40ध्3, निशांत ठाकुर 37ध्2, कार्तिक गोयल 40ध्2) पर बनाए। जवाब में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन गाजियाबाद की टीम ने 39 ओवर में पांच विकेट पर 226 रन (कृति वर्धन 74 नाबाद, ओम सैनी 38, निशांत ठाकुर 36 अविजित, नलिन मिश्रा 27, यश मकर 20 रन, आयुष कुमार 26ध्2, मुकेश कुमार 33/2)पर बना लिए।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।